NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 332 लखनऊ, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी ने की हाई-लेवल बैठक संकट पर ऊर्जा सुरक्षा व ईंधन आपूर्ति पर संभावित असर की गहन समीक्षा

दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में शीर्ष मंत्रियों और अजीत डोभाल के साथ उच्च–स्तरीय कैबिनेट सुरक्षा समिति बैठक की अध्यक्षता की। इसमें पश्चिम एशिया के बदलते हालात, ईरान–अमेरिका विवाद और भारत की ऊर्जा सुरक्षा व ईंधन आपूर्ति पर संभावित असर की गहन समीक्षा की गई। यह बैठक क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच भारत की रणनीतिक तैयारियों पर केंद्रित रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संसद में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की एक हाई–लेवल बैठक हुई, जिसमें देश के प्रमुख मंत्री और सुरक्षा अधिकारी शामिल रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में पश्चिम एशिया के बदलते हालात और भारत की ऊर्जा सुरक्षा और ईंधन की सप्लाई पर इसके असर की समीक्षा की गई। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण,

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा शामिल हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी मौजूद थे।राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सरकार और सुरक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। ईरान और अमेरिका के बीच कई विवादों के बीच, नाजुक युद्धविराम टूट गया। इसकी शुरुआत पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान हुई, जब तेहरान ने खामेनेई की मौत का बदला लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने की कसम खाई। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी विवाद चल रहा थाय अमेरिका चाहता था कि यह शिपिंग रूट युद्ध से पहले वाली स्थिति में लौट आए, जबकि ईरान का कहना था कि वह इस अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से गुजरने के लिए टोल वसूलेगा। जल्द ही, इसके कारण ईरान के बुनियादी ढांचे पर अमेरिका और इजराइल ने बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए और ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई में ड्रोन और मिसाइल हमले किए। ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया और ट्रंप ने भी जोरदार हमलों की धमकी देनी शुरू कर दी। राज्यसभा में, केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' को विचार और पारित करने के लिए पेश किया।लोकसभा से बुधवार को पारित हुए इस विधेयक का मकसद परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों के खिलाफ कानूनी ढांचे को मजबूत करना है। इसके लिए पेपर लीक के मामलों में सजा बढ़ाना, जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स बनाना और समय पर सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए स्पेशल फास्ट–ट्रैक कोर्ट का प्रावधान करना शामिल है।

यूपी का परीक्षा माडल पारदर्शिता और समाधान की नई राह

कानूनी सुरक्षा और फास्ट-ट्रैक सुनवाई से भर्ती प्रक्रिया सुधरेगी।

संवाददाता।

लखनऊ। हाल के दिनों में पंजाब में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने और कर्नाटक में कनिष्ठ अभियंताओं व शिक्षक भर्तियों में उजागर हुए संगठित घोटालों जैसी प्रांतीय घटनाओं से लेकर नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में आई गड़बड़ियों ने अभ्यर्थियों के आक्रोश को सड़कों पर ला दिया है। जंतर–मंतर से लेकर विभिन्न राज्यों के प्रशासनिक मुख्यालयों तक युवाओं का यह लगातार हो रहा उद्वेलन केवल एक तात्कालिक विरोध–प्रदर्शन मात्र नहीं, बल्कि उस समूची कार्यप्रणाली पर उठता हुआ एक यक्ष प्रश्न है, जो हर बार लचर सुरक्षा व्यवस्था के कारण लाखों मेधावी छात्रों के वर्षों के कठिन परिश्रम और भविष्य को अनिश्चितता के भंवर में धकेल देती है।इस घोर निराशाजनक और उथल–पुथल भरे राष्ट्रीय परिदृश्य के बीच, उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक इच्छाशक्ति, कड़े नियंत्रण और संस्थागत सुधारों के जो धरातलीय नतीजे सामने आए हैं, वे पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय और व्यावहारिक राह दिखाते हैं। प्रदेश में पिछले पांच वर्षों से लगातार अधर में लटकी

टीजीटी और पीजीटी जैसी वृहद व जटिल भर्ती परीक्षाओं का पूरी तरह से पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निष्पादन होना कोई साधारण उपलब्धि नहीं थी।उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार के कुशल मार्गदर्शन, दूरदर्शी नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक दृष्टि के तहत अपनाई गई व्यापक रणनीति ने राज्य की पंगु हो चुकी परीक्षा व्यवस्था में एक नया जीवन फूंकने का काम किया। इस सुदृढ़ और अभेद्य सुधारात्मक प्रक्रिया को मुख्य रूप से तीन मजबूत स्तंभों पर खड़ा किया गया। पहला, आधुनिक तकनीक के सटीक समावेशन से प्रश्नपत्रों के निर्माण, मुद्रण से लेकर वितरण तक को जीपीएस ट्रैकिंग, एनक्रिप्टेड डिजिटल लॉकर व बारकोडिंग जैसे डिजिटल सुरक्षा घेरे में लाना। दूसरा, गोपनीय प्रक्रियाओं के कड़े क्रियान्वयन, कमांड सेंटरों, बायोमेट्रिक मिलान व लाइव सीसीटीवी सर्विलांस से युक्त त्रिस्तरीय निगरानी प्रणाली और तीसरा, बिना किसी सिफारिश या धनबल के केवल मेहनत व योग्यता के दम पर सफलता सुनिश्चित करके अभ्यर्थियों के मन में पारदर्शिता और जन–विश्वास की पुनर्बहाली करना। हालांकि, जब यह ऐतिहासिक सुधारात्मक बदलाव अपने अंतिम और तार्किक मुकाम की ओर बढ़ रहा था तथा अभ्यर्थियों में नियुक्तियों की उम्मीद जग रही थी, ठीक उसी मोड़ पर असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के साक्षात्कारों पर उच्चतम न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश का आ जाना एक नई प्रशासनिक, सामाजिक और न्यायिक चिंता को जन्म देता है। इस पूरे घटनाक्रम में विचारणीय पहलू यह रहा कि गनीमत यह रही कि नीट की रद्द परीक्षा के संदर्भ में पेपर लीक गैंग की तरफ से कोई शीर्ष अदालत नहीं पहुंचा, अन्यथा वह पुनर्परीक्षा भी अनिश्चितकाल के लिए कानूनी दांव–पेचों की खटाई में पड़ जाती।एक ऐसे संवेदनशील समय में जब देश भर में पेपर लीक के कारण परीक्षा तंत्र की साख पर संकट छाया हुआ है, उत्तर प्रदेश में बड़ी मुश्किलों के बाद पटरी पर लौटी एक पारदर्शी प्रक्रिया का पुनः कानूनी याचिकाओं के जाल में उलझ जाना सीधे तौर पर ईमानदार अभ्यर्थियों के धैर्य की कठिन परीक्षा लेता है।प्रशासनिक धरातल पर हमेशा से यह देखा गया है कि जब भी किसी सड़ी–गली व्यवस्था में शुद्धता लाने के गंभीर प्रयास शुरू होते हैं, तब निहित स्वार्थों से प्रेरित तत्व और परीक्षा माफिया शांत होकर नहीं बैठते।

विपक्ष पर जेपी नड्डा का बड़ा आरोप कहा- मुद्दाविहीन, गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है

एजेंसी।

दिल्ली। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर जानबूझकर संसद की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाया, यह दोहराते हुए कि मोदी सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उन्होंने विपक्ष के नकारात्मक रवैये और लगातार अपनी माँगें बदलने की आलोचना की, जिसके बाद विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट किया। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर जानबूझकर संसद की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष के पास उठाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है। राज्यसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष का ध्यान सदन के कामकाज में बाधा डालने पर रहा है। नड्डा ने कहा कि विपक्ष का रवैया नकारात्मक रहा है। सत्र शुरू होने के बाद से ही उनका पूरा ध्यान सदन को सुचारू रूप से चलने देने के बजाय उसकी कार्यवाही में बाधा डालने और रुकावट पैदा करने पर रहा है। मैंने देखा है कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उनकी आदत है कि वे लगातार अपने मुद्दे बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार संसद में चर्चा के लिए हमेशा तैयार रही है और विपक्ष पर बहस से बचने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से मैं एक बात साफ करना चाहता हूँ, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है—और यह सिर्फ मौजूदा सत्र तक ही

सीमित नहीं है। पिछले सभी सत्रों में, सरकार हमेशा हर मामले पर चर्चा के लिए तैयार रही है, और जब भी चर्चा हुई है, विपक्ष को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है और मुँहतोड़ जवाब मिला है क्योंकि उनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं होता। दिन के कामकाज का जिक्र करते हुए, नड्डा ने कहा कि राज्यसभा में चर्चा होनी थी और विपक्ष की बार–बार अपनी माँगें बदलने की आलोचना की। उन्होंने आगे कहा कि आज भी—जिस चर्चा की उन्होंने माँग की थी, उसके बारे में जितेंद्र सिंह दोपहर 2 बजे चर्चा शुरू करने वाले हैंय एक बिल पर बहस होनी है। फिर भी, उनकी आदत है कि वे बार–बार अपनी बात बदलते रहते हैं। मैं विपक्ष के इस रवैये की कड़ी निंदा करता हूँ... मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश, 5 लोगों की मौत, कई जिलों में सड़कें कटीं

एजेंसी।

दिल्लीं सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके रायपुर, बस्तर और दुर्ग डिवीजन में हैं, जहाँ कई सड़कें पानी में डूबी हुई हैं और अधिकारियों ने नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है।पिछले कुछ दिनों में हुई भारी बारिश के कारण छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है, नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है और कई जिलों में सड़क संपर्क बाधित हुआ है। इस दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके रायपुर, बस्तर और दुर्ग डिवीजन में हैं, जहाँ कई सड़कें पानी में डूबी हुई हैं और अधिकारियों ने नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने कहा कि अगले 24 घंटों में राज्य के कुछ हिस्सों में और बारिश, आंधी–तूफान, बिजली

गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। गरियाबंद जिले में बुधवार को साहसपुर गाँव के पास उफनती सरगी नदी को पार करने की कोशिश में 55 साल का एक व्यक्ति बह गया। अधिकारियों ने बताया कि उसका शव लगभग पाँच किलोमीटर दूर खुटेरी गाँव के पास मिला।लगातार बारिश की वजह से गरियाबंद में आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। पानी भरने के कारण नेशनल हाईवे–130 बंद रहा, जो रायपुर को पड़ोसी राज्य ओडिशा से जोड़ता है। अधिकारियों ने बताया कि गरियाबंद–महासमुंद, गरियाबंद–नगरी–धमतरी और कोचबे–मालगाँव–कासनाला सड़कें भी बंद रहीं। गरियाबंद के कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने बताया कि लगातार बारिश की वजह से जिले में हालात गंभीर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि सिकसार बांध के 21 में से 16 गेट खोल दिए गए हैं और 58,000 क्यूसेक पानी आने के मुकाबले 44,000 क्यूसेक (यानी 12.45 लाख लीटर प्रति सेकंड) पानी छोड़ा जा रहा है। एहतियात के तौर पर पंतोरा के सरकारी गर्ल्स रेजिडेंशियल स्कूल की 50 से ज्यादा छात्राओं को सुरक्षित बारुका गांव में शिफ्ट किया गया, जबकि पैरी नदी के किनारे बसे गांवों को अलर्ट पर रखा गया है।

गरियाबंद शहर में जिला अस्पताल परिसर भी लगभग तीन फीट पानी में डूब गया था, और संवेदनशील इलाकों में पुलिस और जिला प्रशासन के कर्मचारियों को तैनात किया गया था। पड़ोसी धमतरी जिले में अधिकारियों ने बताया कि कैचमेंट एरिया में भारी बारिश के कारण जलाशय का जलस्तर बढ़ने के बाद सोंढूर बांध के गेट खोल दिए गए हैं। सारंगढ़–बिलाईगढ़ जिले में, 26 जुलाई को बाढ़ग्रस्त लाट नाले के पुल को पार करने की कोशिश के दौरान अपनी कार समेत बह गए एक जोड़े के शव बुधवार को बरामद किए गए। उनकी गाड़ी चिखली गांव के पास, बहाव की दिशा में लगभग 150 मीटर दूर मिली। एक अन्य घटना में, दुर्ग–भिलाई के एक 20 वर्षीय युवक का शव बुधवार को बरामद किया गया।

खड़गे बोले, पीएम-एचएम ने चुप्पी साधी, अब कुर्सी बचाने के लिए लाया गया एंटी पेपर लीक बिल

एजेंसी।

दिल्ली। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में एंटी पेपर लीक बिल को सरकार की 'कुर्सी बचाने' की कवायद बताया। उन्होंने कहा कि NEET पेपर लीक जैसे गंभीर संकट के बावजूद यह विधेयक असली समस्या का समाधान नहीं है, क्योंकि इसमें परीक्षा संचालन के तरीके में कोई मौलिक बदलाव नहीं किया गया है। खड़गे ने पेपर लीक घटनाओं को रोकने के लिए व्यापक सुधारों की मांग की और सरकार पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक पर बोलते हुए कहा कि NEET का पेपर लीक होने के बाद कई मासूम छात्रों और उनके माता–पिता को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि हम 'पब्लिक एग्जामिनेशन्स (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026' का स्वागत करते हैं, लेकिन यह काफी नहीं है। केंद्र सरकार को देश में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए और कदम उठाने चाहिए। यह बिल हमारे छात्रों के सामने मौजूद संकट का समाधान नहीं करेगा। खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार यह बिल देश में छात्रों के सामने मौजूद असली संकट को हल करने के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने के लिए लाई है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूछा कि जब पूरा देश NEET पेपर लीक को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों की आग में जल रहा था, तब गृह मंत्री अमित

शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर न तो कुछ कहा और न ही संसद में आकर इस पर बात की। छोटी–छोटी बातों पर अमित शाह जी संसद में आकर अपनी राय रखते थे, लेकिन अब वे कहाँ हैं? उन्होंने कहा कि पेपर लीक की वजह से बहुत से बेगुनाह लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। इस नए बिल से कुछ नहीं होने वाला है क्योंकि पुराने कानून में बस कुछ डेटा ही बदला गया है। भारी जुर्माना, कड़ी सजा, स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसे प्रावधान तो किए गए हैं, लेकिन असल में कुछ नहीं बदलेगा। असली बदलाव तभी आएगा जब परीक्षा कराने के तरीके में बदलाव होगा। इस बिल में कुछ भी नया नहीं है। हमने 2024 में ही एक कड़े कानून की मांग की थी, लेकिन हमारी मांग ठुकरा दी गई थी।खड़गे ने कहा कि 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक' सड़कों पर उतरे युवाओं को शांत करने के लिए लाया गया है, न कि पेपर लीक की समस्या को हल करने के लिए। आपने अभी 'पब्लिक एग्जामिनेशन अमेंडमेंट बिल 2026' में सिर्फ आंकड़ों में बदलाव किया है, जो यहाँ चर्चा के लिए आया है। इस बिल में सिर्फ आंकड़े ही बदलते रहे। इससे कुछ नहीं होने वाला। आपने ज़्यादा जुर्माना, सख्त सजा, स्पेशल टास्क फोर्स, फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसे प्रावधान शामिल किए हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि फर्क इस बात से पड़ेगा कि आप यह परीक्षा कैसे आयोजित करते हैं और बिना पेपर लीक हुए तैयारी कैसे करते हैं, सब इसी पर निर्भर करता है... ऐसा मजबूत कानून लाने की मांग हमने 2024 में ही की थी। लेकिन तब आपने हमारी बात नहीं मानी। और आपने अपने भाषण में कहा कि आप लोग सहमत नहीं थे। लेकिन हम बार–बार आपसे ऐसा मजबूत कानून बनाने के लिए कहते रहे। पर आपने ऐसा नहीं किया। जो काम आप दो साल बाद कर रहे हैं, उसे आपने 2024 में ही क्यों नहीं किया?

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, प्रदर्शनकारी छात्र होंगे रिहा

एजेसी।

दिल्ली सरकार पेपर लीक के विरोध में जंतर–मंतर पर प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई वापस लेगी, हालांकि आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को यह छूट नहीं मिलेगी। इस फैसले के तहत हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को समीक्षा के बाद जल्द रिहा किया जाएगा, जिससे मामले को बिना किसी दंडात्मक कार्रवाई के बंद माना जाएगा। दिल्ली सरकार ने गुरुवार को कहा कि जंतर–मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन यह भी साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को कोई सुरक्षा नहीं दी जाएगी। दिल्ली के गृह विभाग की ओर से जारी एक बयान में सरकार ने आगे कहा कि अगर प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति को हिरासत में लिया गया या गिरफ्तार किया गया, तो उसे रिहा कर दिया जाएगा, लेकिन ऐसा समीक्षा के बाद ही किया जाएगा। आदेश में कहा गया है

कि गिरफ्तार लोगों को जल्द से जल्द रिहा किया जाएगा।आदेश में कहा गया है कि छब्ज दिल्ली सरकार का विरोध–प्रदर्शनों में शामिल लोगों के खिलाफ कोई और दंडात्मक कार्रवाई करने का इरादा नहीं है, और इस मामले को बिना किसी आगे की कार्रवाई के बंद माना जाएगा। यह आदेश छब्ज दिल्ली के माननीय उप–राज्यपाल की मंजूरी से जारी किया गया है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस ने कॉजपा के प्रदर्शनों के संबंध में 13 प्राथमिकी दर्ज की हैं, गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए लोगों को जल्द रिहा किया जायेगा। सरकारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे इन दावों को बृहस्पतिवार को झूठ और भ्रामक बताया कि जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी गई है। पुलिस ने कहा कि यह जगह अब भी अनुमति लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के लिए उपलब्ध है। पुलिस ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही यह अफवाह पूरी तरह बेबुनियाद और तथ्यहीन है कि अब जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। पुलिस ने कहा कि जंतर–मंतर अब भी शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के लिए अधिकृत स्थान है। यहां उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और अदालती आदेश के अनुरूप दिल्ली पुलिस द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार प्रदर्शन किए जा सकते हैं। मौजूदा एसओपी के तहत, सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी मिलने पर जंतर–मंतर पर अधिकतम 1,000 लोगों के जुटने की अनुमति दी जा सकती है। इससे पहले सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा था कि जंतर मंतर को विरोध–प्रदर्शनों के लिए बंद कर दिया गया है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे अपुष्ट सूचना पर भरोसा न करें और न ही उसे आगे फैलाएं।

गाजीपुर को 692 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात, मुख्यमंती बोले युवा, किसान, बेटियां और व्यापारी बढ़ेंगे तो सरकार 100 कदम आगे चलेगी

लखनऊ।गाजीपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और अब विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए विकसित उत्तर प्रदेश तथा विकसित गाजीपुर का निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश के युवा, किसान, बेटियां और व्यापारी 10 कदम आगे बढ़ेंगे तो डबल इंजन सरकार 100 कदम आगे बढ़कर उनका साथ देगी।मुख्यमंत्री गाजीपुर में आयोजित एक विशाल कार्यक्रम में जिले की गाजीपुर, जखनिया, मोहम्मदाबाद, सैदपुर, जमानियां, जहूराबाद और जंगीपुर विधानसभा क्षेत्रों की 692 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 268 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, स्वीकृति पत्र और प्रमाण–पत्र वितरित किए। कार्यक्रम से पूर्व उन्होंने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया, महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब देश का प्रत्येक नागरिक इस अभियान का सहभागी बने। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने में युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए इन चार वर्गों के सशक्तिकरण से ही देश की प्रगति सुनिश्चित होगी।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्टार्टअप, स्टैंडअप और डिजिटल भारत जैसी योजनाओं ने युवाओं को नई संभावनाएं प्रदान की हैं। प्रदेश सरकार ने पिछले नौ वर्षों में नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराई हैं, जबकि किसानों को फसल ऋण माफी और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है।मुख्यमंत्री ने गाजीपुर की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि महर्षि विश्वामित्र की तपोस्थली रही है। रामायण काल में इसी क्षेत्र से राक्षसों के आतंक के विरुद्ध संघर्ष का सूत्रपात हुआ और भगवान श्रीराम ने ताड़का, सुबाहु और मारीच जैसे राक्षसों का अंत कर इस क्षेत्र को भयमुक्त बनाया। उन्होंने कहा कि गाजीपुर सदैव राष्ट्रभक्ति, तप और संस्कृति का केंद्र रहा है।उन्होंने कहा कि गहमर गांव आज भी देशभक्ति का प्रतीक है, जहां 12 हजार से अधिक वर्तमान सैनिक और सैन्य अधिकारी तथा 15 हजार से अधिक पूर्व सैनिक निवास करते हैं। 1948, 1962, 1965, 1971 और 1999 के युद्धों सहित हाल के सैन्य अभियानों में यहां के सैनिकों ने अद्वितीय साहस का परिचय दिया है। परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद, शहीद राम उग्रह पांडेय, स्वतंत्रता सेनानी मेघर सिंह, डॉ. शिव पूजन राय और भगवत मिश्र जैसे अनेक वीरों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजीपुर की धरती राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राष्ट्र नायकों को उचित सम्मान देने का कार्य कर रही है। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन महानायकों की उपेक्षा पहले की जाती थी, आज उनके नाम पर मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, स्मारक और अन्य संस्थानों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गाजीपुर से आनंद विहार तक चलने वाली सुहेलदेव सुपरफास्ट ट्रेन और महाराजा सुहेलदेव के नाम पर जारी डाक टिकट भी इसी सम्मान का प्रतीक हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है और अब गाजीपुर चारों ओर से फोरलेन सड़कों और एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ चुका है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के कारण गाजीपुर से लखनऊ की दूरी लगभग तीन घंटे में पूरी की जा सकती है, जबकि पहले इसमें आठ से दस घंटे लगते थे। सरकार पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को चंदौली, वाराणसी होते हुए शक्तिनगर तक जोड़ने की दिशा में भी कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया उनमें सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के विभिन्न चरण, राजकीय आईटीआई कॉलेज, ड्रग वेयरहाउस, तहसील कासिमाबाद का आवासीय भवन सहित अनेक विकास कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही कई नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी गई है।उन्होंने बताया कि जिले में 225 करोड़ रुपये की लागत से महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण पहले ही किया जा चुका है। इसके अलावा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना, छह पशु चिकित्सालय भवन, पर्यटन विकास की छह परियोजनाएं, बाढ़ सुरक्षा कार्य, चार कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शैक्षणिक ब्लॉक एवं छात्रावास, मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज, पुलिस बैरक एवं हॉस्टल जैसी अनेक परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय, अमृत योजना के तहत पेयजल और सीवरेज परियोजनाएं तथा अन्य विकास कार्य भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के पात्र लोगों तक सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, निजी नलकूपों के लिए मुफ्त बिजली और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजनाओं से लोगों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार आया है।पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में नौ लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां मिली हैं और कानून–व्यवस्था मजबूत होने से अपराधियों तथा माफियाओं पर प्रभावी अंकुश लगा है।

स्टाम्प, न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन की नई पहचान बना है। उन्होंने कहा कि पहले गाजीपुर की पहचान अपराध से जुड़ी थी, लेकिन आज मजबूत कानून–व्यवस्था और जीरो टॉलरेंस नीति के कारण जिले की नई छवि विकसित हुई है।

जीनिया इस्तेखार को कालेज की कमान,एलिशबा इस्तेखार बनी नायब

वाईएमसीए सेन्टेनरी स्कूल एण्ड कालेज में नये छात्र पदाधिकारियों का चयन

प्रयागराज। वाईएमसीए सेन्टेनरी स्कूल एण्ड कॉलेज, प्रयागराज में वर्ष 2026–27 के लिए चयनित छात्र पदाधिकारियों को पदभार की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का शुभांरभ प्रार्थना एवं विद्यालय गीत के साथ हुआ। वाईएमसीए सेन्टेनरी स्कूल कॉलेज के डायरेक्टर एच० वाटर्स, प्रधानाचार्या रीमा मसीह छात्र पदाधिकारियों के अभिभावक, समस्त अध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।गत् वर्ष की भाँति इस वर्ष भी छात्र पदाधिकारियों का चयन किया गया। जीनिया इस्तेखार को कॉलेज कैप्टन और एलिशबा इस्तेखार को वाईस कैप्टन चुना गया। चारों हाउसों की कमान क्रमशः सुन्दरम यादव, साद आलम, उदभव कुशवाहा और माही सिंह को मिली। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके पद और कर्तव्यों की शपथ दिलाई गयी। भूतपूर्व कॉलेज कप्तान ने इस अवसर पर शिक्षकों, अपनी पूरी टीम एवं प्रधानाचार्या के प्रति उनके अविस्मरणीय पथ प्रदर्शन के लिए कृतज्ञता प्रकट की तथा जिनिया इफ्तेखार को। अन्त में प्रधानाचार्या रीमा मसीह, ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभाशीष और बधाई दी। कार्यक्रम का अन्त नये कप्तान द्वारा दी गयी कमांड से हुआ।

गुरु पूर्णिमा पर मठ-मंदिरों और विद्यालयों में गुरु वंदना

जूना, महानिर्वाणी और बाघंबरी गद्दी में गुरु-शिष्य परंपरा का आयोजन

प्रयागराज। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आज प्रयागराज के प्रमुख मठों, मंदिरों और अखाड़ों में गुरु पूजन और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। देश के विभिन्न राज्यों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अपने गुरुओं का पूजन कर आशीर्वाद लिया। दिनभर आश्रमों और अखाड़ों में वैदिक मंत्रोच्चार, भजन–कीर्तन और गुरु–शिष्य परंपरा के कार्यक्रम चलते रहे।जूना अखाड़े के मौज गिरी आश्रम में गुरु पूर्णिमा का पर्व विशेष रूप से मनाया गया। महंत शिवानंद गिरी और महंत सुंदर गिरी ने अपने गुरु बाबा मौज गिरी तथा बाल योगेश्वरानंद गिरी (बालक बाबा) का विधि–विधान से पूजन किया। इस दौरान महंत शिवानंद गिरी ने भगवान भोलेनाथ का श्रृंगार और विशेष पूजा–अर्चना भी की। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया।श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी में भी गुरु पूर्णिमा पारंपरिक रीति–रिवाजों के अनुसार मनाई गई। अखाड़े के साधु–संतों ने सर्वप्रथम इष्टदेव कपिल मुनि की पूजा–अर्चना की। तत्पश्चात, शिष्यों ने अपने गुरु महंत यमुना पुरी का चरण पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर महंत यमुना पुरी ने कहा कि सनातन परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। इसी क्रम में श्री मठ बाघंबरी गद्दी में भी गुरु पूर्णिमा का आयोजन हुआ। पीठाधीश्वर महंत बलबीर गिरि जी महाराज का उनके शिष्यों ने विधि–विधान से चरण पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह सात बजे दिवंगत महंत नरेंद्र गिरि जी महाराज की समाधि पर विशेष अभिषेक और पुष्पांजलि अर्पित की गई। ब्रह्ममुहूर्त में 101 ब्राह्मण आचार्यों ने भगवान श्री बाघंबरेश्वर महादेव का महाभिषेक और रुद्राभिषेक संपन्न किया। आरोपी भाग स्थित शंकराचार्य में जगद्गुरु स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज के शिष्यों ने पूजा अर्चना की। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु मंत्र की दीक्षा भी ग्रहण की। श्रद्धालुओं ने अपने गुरुओं का आशीर्वाद लेकर जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की।

प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

प्रयागराज। सोरांव स्थित एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। जिसके बाद बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण अस्पताल के बाहर जमा हो गए और मेडिकल स्टाफ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची, शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के लिए सोरांव थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर निवासी आशीष मौर्या की पत्नी खुसबू मौर्या आठ माह की गर्भवती थीं। क्षेत्र की आशा उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लाई थीं। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने खुशबू को गंभीर बताकर भर्ती कर लिया और तत्काल ऑपरेशन की आवश्यकता बताते हुए 50,000 रुपए जमा करने को कहा। परिजनों ने किसी तरह पैसों का इंतजाम किया। इसके बाद बीती 27 जुलाई की रात करीब 10रू30 बजे डॉक्टर और उनके सहयोगियों ने एम्बुलेंस की व्यवस्था कर खुशबू को सोरांव स्थित दूसरे अस्पताल स्थानांतरित कर दिया। परिजनों का दावा है कि डॉक्टर ने जच्चा–बच्चा की सुरक्षा की गारंटी दी थी।अस्पताल में ऑपरेशन के बाद खुशबू की हालत बिगड़ने लगी। नवजात बच्ची की मौत 28 जुलाई को रात करीब 12रू30 बजे अस्पताल में हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि बच्ची को आईसीयू या एनआईसीयू का उचित सपोर्ट नहीं मिला, जिससे उसे सांस लेने में दिक्कत हुई। खुशबू मौर्या की मौत आज सुबह तब हुई जब उन्हें अस्पताल से फाफामऊ स्थित विनीता हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था।

उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट सेक्टर का स्वर्णिम दौररू छह माह में 143 नई परियोजनाएं, 31,952 करोड़ का निवेशय रेरा ने घर खरीदारों को दिलाए 2,173 करोड़ रुपये, लखनऊ बना विकास का नया केंद्र

लखनऊ गौतमबुद्ध नगर,। उत्तर प्रदेश का रियल एस्टेट क्षेत्र वर्ष 2026 की पहली छमाही में अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है। उत्तर प्रदेश भू–संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) की अर्धवार्षिक रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से जून 2026 के बीच प्रदेश में ''143 नई रियल एस्टेट परियोजनाएं'' पंजीकृत हुईं, जिनमें ''46,049 आवासीय इकाइयों'' के निर्माण का प्रस्ताव है। इन परियोजनाओं में ''31,952 करोड़ रुपये'' के निवेश का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि निवेश, परियोजनाओं के पंजीकरण, आवास निर्माण, उपभोक्ता संरक्षण और विवादों के निस्तारण के मामले में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जिससे प्रदेश देश के सबसे तेजी से विकसित और निवेशकों के भरोसेमंद रियल एस्टेट बाजारों में शामिल हो गया है।रेरा की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 की पहली छमाही में जहां 134 परियोजनाएं पंजीकृत हुई थीं, वहीं इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 143 हो गई। इसी प्रकार आवासीय इकाइयों की संख्या 35,082 से बढ़कर 46,049 तक पहुंच गई। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदेश सरकार की निवेश अनुकूल नीतियां, बेहतर नियामक व्यवस्था, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, एयरपोर्ट और अन्य आधारभूत ढांचे के तेजी से विस्तार ने डेवलपर्स और निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है।रिपोर्ट में सबसे अहम उपलब्धि राजधानी लखनऊ की रही, जिसने एनसीआर के बाहर उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े रियल एस्टेट केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई। छह माह में यहां 37 नई परियोजनाएं पंजीकृत हुईं, जिनमें 3,834 करोड़ रुपये का निवेश और 9,872 आवासीय इकाइयों का निर्माण प्रस्तावित है। दूसरी ओर गौतमबुद्ध नगर निवेश के मामले में अब भी शीर्ष पर बना हुआ है, जहां 27 परियोजनाओं में 15,678 करोड़ रुपये का निवेश और 13,160 आवासीय इकाइयों का विकास प्रस्तावित है। गाजियाबाद में भी 19 परियोजनाओं के माध्यम से करीब 6,989 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 9,500 आवासीय इकाइयों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा आगरा, मथुरा, वाराणसी, बाराबंकी, प्रयागराज, झांसी और गोरखपुर जैसे शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में तेजी देखने को मिली है।अर्धवार्षिक रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि पिछले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश का रियल एस्टेट क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है। वर्ष 2023 में 197 परियोजनाएं पंजीकृत हुई थीं, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 259 और वर्ष 2025 में 308 हो गईं। आवासीय इकाइयों की संख्या भी 55,297 से बढ़कर 84,976 तक पहुंच गई। वर्ष 2026 की पहली छमाही में प्रस्तावित 46,049 नई आवासीय इकाइयों को जोड़ने पर वर्ष 2023 से अब तक प्रदेश में ''2.55 लाख से अधिक आवासीय इकाइयों'' के विकास का प्रस्ताव सामने आ चुका है। इसी अवधि में पूंजी निवेश भी 28,411 करोड़ रुपये से बढ़कर 68,328 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो प्रदेश में बढ़ते निवेश विश्वास का संकेत है।रिपोर्ट में घर खरीददारों को राहत देने के लिए रेरा की सक्रिय भूमिका भी सामने आई है। जनवरी से जून 2026 के दौरान ''8,212 मामलों में कुल 2,173.78 करोड़ रुपये'' घर खरीददारों को वापस दिलाए गए। जिला प्रशासन के सहयोग से ''6,411 मामलों'' में ''1,623.28 करोड़ रुपये'' सीधे आवंटियों के बैंक खातों में भेजे गए, जबकि रिकवरी सर्टिफिकेट जारी होने के बाद बिल्डरों से समझौते के माध्यम से ''1,801 मामलों'' में ''550.50 करोड़ रुपये'' वापस कराए गए। इससे लंबे समय से रुकी परियोजनाओं में फंसे हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिली।संपत्ति विवादों के समाधान में भी उत्तर प्रदेश रेरा ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। रिपोर्ट अवधि में ''11,558 मामलों'' में ''6,032.42 करोड़ रुपये'' मूल्य के विवादों का निस्तारण किया गया। इनमें रेरा पीठों के माध्यम से 3,237 मामलों में 1,958 करोड़ रुपये, सुलह मंच के जरिए 1,648 मामलों में 657 करोड़ रुपये तथा ऑनलाइन आपसी सहमति से 6,673 मामलों में 3,417.42 करोड़ रुपये मूल्य के विवादों का समाधान किया गया। इससे लोगों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिली और समयबद्ध समाधान संभव हो सका।कोविड–19 महामारी के दौरान शुरू किया गया ''श्रेरा संवादश'' भी अब हितधारकों के लिए प्रभावी मंच बन गया है। अब तक 206 ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से 5,375 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। इससे घर खरीददारों, बिल्डरों और अन्य हितधारकों के बीच संवाद और पारदर्शिता को बढ़ावा मिला है।रेरा अध्यक्ष ''संजय भूसरेड्डी'' ने अर्धवार्षिक रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में घर खरीददारों और निवेशकों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के पंजीकरण, निवेश और आवासीय इकाइयों में हो रही वृद्धि राज्य सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों तथा रेरा की पारदर्शी और जवाबदेह कार्यप्रणाली का परिणाम है। उन्होंने कहा कि एनसीआर के साथ–साथ लखनऊ सहित प्रदेश के अन्य शहर भी तेजी से रियल एस्टेट विकास के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रेरा भविष्य में भी समयबद्ध परियोजना पूर्ण कराने, उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा, प्रभावी शिकायत निस्तारण और पारदर्शी नियामक व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

रोपे गए पौधों का कराएं सत्यापन, 20 तक दें रिपोर्ट- डीएम

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में जिला पौधरोपण समिति, जिला गंगा सुरक्षा समिति व जिला पर्यावरण समिति की संयुक्त बैठक हुई। इस दौरान इस वर्ष लगाए गए पौधों की सुरक्षा, जियो–टैगिंग, गंगा संरक्षण और पर्यावरणीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।डीएम ने कहा कि पौधारोपण अभियान की सफलता केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और जीवितता सुनिश्चित करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है।उन्होंने संबंधित विभागों को रोपित पौधों की जियो–टैगिंग का कार्य समयबद्ध ढंग से शत–प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक माह पौधों का सत्यापन कर 20 तारीख तक उनकी जीवितता की रिपोर्ट उपलब्ध कराने और सॉफ्ट–10 डैशबोर्ड को नियमित रूप से अपडेट करने को कहा। जिले गंगा सुरक्षा समिति की समीक्षा के दौरान डीएफओ अरविंद कुमार यादव ने नमामि गंगे के तहत नुमायां डाही आर्द्रभूमि के संरक्षण एवं समेकित प्रबंधन की जानकारी दी। बैठक में गंगा टास्क फोर्स की ओर से रिवर मैपिंग, सर्विलांस, पेट्रोलिंग और जनजागरूकता गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। जिप पंचायत राज विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में सीवेज डिस्पोजल और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व डीसी, एनआरएलएम को ग्राम भ्रमण कर स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए गए।जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा में डीएम ने जल निगम ग्रामीण को शहरी नालों की टैपिंग का कार्य शीघ्र पूरा करने और पंचायती राज विभाग को ग्रामीण नालों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वायु गुणवत्ता सुधार, हरित क्षेत्र विस्तार और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों में तेजी लाने को कहा।

कक्षा 9 के छात्र की बेरहमी से पिटाई, शरीर पर निशान पड़े

अभिभावक ने दी प्रिंसिपल के खिलाफ तहरीर

प्रयागराज। फाफामऊ क्षेत्र स्थित गंगा ऋषिकुलम स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। कक्षा 9 में पढ़ने वाले छात्र को बेंत से इतना पीटा गया कि उसके एक पैर में निशान पड़ गए। कई जगह पर खून जम गया। इसका वीडियो भी सामने आया है। पिटाई का आरोप आरोप प्रिंसिपल लगाते हुए छात्र के घरवालों ने थाने में प्रिंसिपल के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवकुटी थाना क्षेत्र के तेलियरगंज में रहने वाले मनोज कुमार सिंह प्रयागराज डीएम कार्यालय में कार्यरत हैं। उनका 15 साल का बेटा अंशुल सिंह शांतिपुर फाफामऊ में स्थित गंगा ऋषिकुलम स्कूल में कक्षा नौ का छात्र है। 27 जुलाई को अंशुल का उसी स्कूल में पढ़ने वाले 11वीं के छात्र से झगड़ा हो गया। बताते हैं कि अंशुल ने उससे कहा कि स्कूल छूटने तो फिर बताते हैं। इस पर 11वीं का छात्र और उसकी बहन ने प्रिंसिपल से जाकर शिकायत कर दी। अंशुल का कहना है कि प्रिंसिपल प्रतिभा त्रिपाठी ने उसे रूम में बुलाया और बेंत से जमकर पीटा। एक पैर पर बेंत बरसाए जाने से उसके पैरों पर निशान बन गए।अंशुल उस दिन मामला छिपा ले गया लेकिन जब दर्द उससे बर्दाश्त नहीं हुआ तो उसने सारी बात घरवालों को बता दी। इसके बाद परिवार के लोग उसे लेकर डॉक्टर के यहां गए। चोट के निशान का वीडियो बनाकर फाफामऊ थाने में प्रिंसिपल के खिलाफ तहरीर दे दी। छात्र के घरवालों का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए।इस बाबत स्कूल की प्रिंसिपल प्रतिभा त्रिपाठी का कहना है कि एक छात्र और उसकी बहन ने अशंल की शिकायत की थी। उसे बुलाकर डांटा गया था। बेंत या डंडे से पीटने की बात गलत है। दो छात्रों के बीच विवाद का मामला है।थाना प्रभारी फाफामऊ शांतनु सिंह का कहना है कि छात्र के घरवालों ने तहरीर दी है।

श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को लेकर लखनऊ में हाई अलर्ट, शिवालयों पर कड़ी सुरक्षाय अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाइ

लखनऊ,

(आरएनएस)। श्रावण मास की शुरुआत और कांवड़ यात्रा को लेकर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने शहरभर में व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन लागू कर दिया है। प्रमुख शिवालयों, कांवड़ यात्रा मार्गों, संवेदनशील क्षेत्रों और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीसीटीवी निगरानी, महिला पुलिसकर्मियों की विशेष तैनाती, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और ट्रैफिक डायवर्जन जैसी व्यवस्थाएं प्रभावी कर दी गई हैं।पुलिस के अनुसार श्रावण मास के दौरान नागेश्वर महादेव मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर, ओंकारेश्वर मंदिर, बुद्धेश्वर महादेव मंदिर, चंद्रिका देवी मंदिर सहित अन्य प्रमुख शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए विशेष सुरक्षा योजना लागू की गई है। सभी प्रमुख मंदिर परिसरों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।कांवड़ यात्रा मार्गों पर कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए डायल–112, मोबाइल पुलिस टीमें, एंटी रोमियो स्क्वॉड, पिंक मोबाइल और सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस बल लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेगा। इसके अलावा स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू), सिविल डिफेंस और डिजिटल वालंटियर भी असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे।जलाशयों और घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसडीआरएफ की टीमें भी सक्रिय रहेंगी। पुलिस नियंत्रण कक्ष से प्रमुख धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात डायवर्जन लागू किया गया है। बुद्धेश्वर चौराहा, मनकामेश्वर मंदिर ढाल, डालीगंज चौराहा, हनुमान सेतु मंदिर चौराहा, पाल तिराहा, दुबग्गा तिराहा, बाराबिरवा तिराहा तथा सीतापुर मार्ग सहित कई स्थानों पर विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। मंदिरों के आसपास बैरिकेडिंग कर यातायात को व्यवस्थित रखने के लिए अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस भी तैनात की गई है। पुलिस ने आम नागरिकों से जारी ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है।लखनऊ पुलिस ने तकनीकी निगरानी को भी मजबूत किया है। प्रमुख शिवालयों, कांवड़ मार्गों, घाटों और संवेदनशील क्षेत्रों की चौबीसों घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। वहीं सोशल मीडिया सेल फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और व्हाट्सएप सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर रखेगा।

आईटीआई परीक्षा फर्जीवाड़ा में प्रधानाचार्य समेत 11 गिरफ्तार

प्रयागराज।

नैनी स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में चल रही अखिल भारतीय व्यावसायिक परीक्षा में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। एसटीएफ ने छापा मारकर प्रधानाचार्य, परीक्षा प्रभारी और चार अनुदेशकों समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पांच सॉल्वर भी शामिल हैं। ये सॉल्वर असली अभ्यर्थियों की जगह ऑनलाइन परीक्षा दे रहे थे।

कार्रवाई के दौरान 5.10 लाख रुपए नकद, कंप्यूटर सिस्टम, मोबाइल फोन और परीक्षा से जुड़े कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। एसटीएफ के अनुसार जांच में सामने आया कि पढ़ाई में कमजोर छात्रों से प्रति अभ्यर्थी 4 हजार रुपए लेकर उनकी जगह सॉल्वर बैठाए जाते थे। सॉल्वर अलग लैब में ऑनलाइन परीक्षा देते थे और इसके बदले उन्हें सिर्फ 500 रुपए मिलते थे। पूरे नेटवर्क का संचालन एक अनुदेशक के जरिए किया जा रहा था, जिसकी तलाश जारी है। एसटीएफ के अनुसार राजकीय आईटीआई नैनी में 11 जुलाई से 8 अगस्त तक अखिल भारतीय व्यावसायिक परीक्षा की कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन परीक्षा तीन पालियों में कराई जा रही थी। कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि संस्थान के कुछ अधिकारी और कर्मचारी पैसे लेकर सॉल्वर बैठा रहे हैं और सामूहिक नकल भी करा रहे हैं। इसके बाद एसटीएफ ने पूरे मामले पर निगरानी शुरू कर दी। कल बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली कि तीसरी पाली की परीक्षा में फिर सॉल्वर बैठाए गए हैं। इसके बाद एसटीएफ ने नैनी पुलिस के साथ शाम करीब चार बजे कौशल विकास भवन में छापा मारा। कार्रवाई दो चरणों में हुई। मौके से पांच सॉल्वर और संस्थान के छह अधिकारी–कर्मचारी गिरफ्तार कर लिए गए।एसटीएफ का दावा है कि पूछताछ में प्रिंसिपल अशोक कुमार ने स्वीकार किया कि परीक्षा के बाद वसूली गई रकम आपस में बांटी जाती थी। परीक्षा प्रभारी रवि प्रकाश और अनुदेशक फूल प्रकाश ने भी बताया कि छात्रों से ली गई रकम बाद में सभी संबंधित लोगों में बांट दी जाती थी। गिरफ्तार आरोपियों में सॉल्वर शिवम कुमार, रणविजय सिंह, जय सिंह, जितेंद्र पटेल और दिलीप कुमार पटेल शामिल हैं। इनके अलावा प्रिंसिपल अशोक कुमार, परीक्षा प्रभारी रवि प्रकाश और अनुदेशक फूल प्रकाश, धीरज कुमार शर्मा, राजेश कुमार व राजकुमार मौर्य को भी गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ की तहरीर पर नैनी थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जबकि फरार आरोपी धीरन्जन कुमार की तलाश जारी है। एसटीएफ ने कार्रवाई के दौरान 5.10 लाख रुपए नकद, पांच मॉनिटर, पांच सीपीयू, पांच की–बोर्ड, पांच माउस, छह एंड्रॉयड मोबाइल, पेन ड्राइव, आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड और परीक्षा से जुड़े 67 दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपियों की तलाशी में 16,370 रुपए नकद भी मिले।

जिलाधिकारी महोदय ने स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिये निर्देश।

सुलतानपुर जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह द्वारा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीएमएस(महिला/पुरुष) सहित अन्य उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, साफ–सफाई, दवा वितरण, प्रसूति वार्ड, नवजात शिशु कक्ष, ओ.पी.डी., आपातकालीन सेवाओं तथा मरीजों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सीएमएस चेम्बर में स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सको के साथ बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने संबंधित चिकित्सको से बेहतर व्यवस्था हेतु सुझाव प्राप्त किये गये। चिकित्सकों द्वारा कई सुझाव जैसे– आशा बहुओ द्वारा सहयोग न किया जाना, बिना ड्रेस व आई कार्ड के उपस्थित

होना, सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर करने सहित कई सुझाव दिये। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि आशा बहुओं के साथ नियमित मीटिंग कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाय तथा ड्रेस कोड व आई कार्ड के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिये जाय। उन्होंने सभी सम्बन्धित चिकित्सकों को निर्देशित किया कि पेसेन्ट व तीमारदारों के साथ स्वास्थ्य संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक मरीज को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देशित किया कि चिकित्सालय परिसर की साफ–सफाई, पेयजल एवं दवाओं की उपलब्धता ससमय सुनिश्चित की जाय।

रेलवे पुलिया के नीचे जल-जमाव से विंध्याचल धाम जाने का मार्ग हुआ अवरुद्ध, भक्तों की बढ़ी मुश्किल

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनों वाले ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कारिडोर बनने के बाद विंध्याचल धाम आने वाले भक्तों की दुश्वारियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।विख्यात विंध्य धाम में गुरु पूर्णिमा अवसर पर बुधवार को वर्षा होने के कारण जगह–जगह जल जमाव का दृश्य उत्पन्न होने से लाखों की संख्या में उमड़े भक्तों को अवागमन में घोर परेशानियों से जूझते हुए देखा गया है। विंध्याचल धाम में आने वाले भक्तों एवं श्रद्धालु को दिक्कते हो रही। विंध्याचल का पुरानी वीआईपी वाया पटेंगरा नाला रेलवे पुलिया के नीचे बरसात का पानी जमा हो जाने से आवागमन मार्ग बाधित हो जाता है। यह समस्या कोई आज की नहीं है बल्कि लंबे समय से चली आ रही है लेकिन आज तक इसका ठोस समाधान नहीं निकाला जा सका है। विंध्याचल धाम जाने वाले मार्ग के रेलवे पुलिया, वीआईपी मार्ग पर जल जमाव होने से विंध्य धाम में आने वाले श्रद्धालुओं और राहगीरों को दिक्कते हो रही है, बावजूद इसके जिला प्रशासन से लगाए नगर पालिका प्रशासन लापरवाह बना हुआ दिखाई दे रहा है।

एएनएम प्रशिक्षु छात्राओं ने पोस्टर, प्रश्नोत्तरी व रोल-प्ले से दिया जनजागरूकता का सशक्तसंदेश

मड़िहान,मीरजापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़िहान में व्यवस्था को मजबूत बनाने और डायरिया जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को एएनएम ट्रेनिंग सेंटर, मड़िहान में स्टॉप डायरिया कैंपेन के अंतर्गत एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर. एस. वर्मा ने की। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रही एएनएम छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट परिचय देते हुए पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी तथा रोल प्ले के माध्यम से डायरिया से बचाव का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत डायरिया नियंत्रण अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए की गई। प्रशिक्षु छात्राओं ने आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, हाथ धोने की आदत, ओआरएस और जिंक के महत्व को बेहद सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्राओं ने डायरिया से जुड़े सवालों के सटीक उत्तर देकर अपने ज्ञान और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का परिचय दिया। रोल प्ले के माध्यम से छात्राओं ने ग्रामीण परिवेश की वास्तविक परिस्थितियों को मंच पर जीवंत कर दिया। उन्होंने दिखाया कि थोड़ी सी लापरवाही कैसे बच्चों और परिवारों के लिए गंभीर खतरा बन सकती है, वहीं समय पर ओआरएस, जिंक और चिकित्सकीय परामर्श से डायरिया से पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सकता है। इस प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों को भावुक भी किया और जागरूक भी। अधीक्षक डॉ. आर. एस. वर्मा ने कहा कि डायरिया एक सामान्य बीमारी प्रतीत होती है, लेकिन समय पर उपचार न मिलने पर यह विशेषकर बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने प्रशिक्षु छात्राओं से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को गांव–गांव तक पहुंचाएं और प्रत्येक परिवार को स्वच्छता तथा सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि एक जागरूक स्वास्थ्य कार्यकर्ता न केवल मरीज का उपचार करती है, बल्कि पूरे समाज को स्वस्थ जीवन जीने की दिशा भी दिखाती है।

गुरु पूर्णिमा पर चित्रगुप्त मंदिर में गूंजा श्रद्धा का स्वर, पीठाधीश्वर अजयश्रीदास महाराज ने दिया गुरु आशीर्वाद

कुशीनगर, (आरएनएस)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर चित्रगुप्त मंदिर समिति न्यास के तत्वाधान में बुधवार कोपडरौना नगर के चित्रगुप्त मंदिर परिसर में श्रीगुरु आशीर्वाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत–प्रोत इस कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल सहित ट्रस्ट के पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान चित्रगुप्त मंदिर के पीठाधीश्वर महंत अजयश्रीदास महाराज ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों और ट्रस्ट के पदाधिकारियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन के अंधकार को दूर कर सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य प्रकाश है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊंचा माना गया है और गुरु के मार्गदर्शन से ही व्यक्ति का जीवन सफल एवं सार्थक बनता है। नगर पालिका परिषद पडरौना के चेयरमैन विनय जायसवाल ने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का ऐसा पर्व है, जो गुरु और शिष्य के पवित्र संबंध को सुदृढ़ करता है। गुरु के बिना ज्ञान अधूरा है और जीवन की सही दिशा भी नहीं मिल सकती। उन्होंने कहा कि हमें अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए तथा उनके बताए आदर्शों और संस्कारों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने गुरु पूजन कर पीठाधीश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा समाज में आध्यात्मिक चेतना, संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।पूरे आयोजन के दौरान भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर चित्रगुप्त मंदिर समिति न्यास के अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा, महासचिव संजय चाणक्य, देवेन्द्र श्रीवास्तव, पवन मिश्रा, ज्योतिभान मिश्रा, शम्भू मिश्रा, आदित्य श्रीवास्तव, परमेश्वर यादव, सुनील श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, संयोग श्रीवास्तव, अनिल, रविशंकर सहित अन्य ट्रस्टी, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

युवक व युवती का पेड़ में लटकता मिला शव, पुलिस मामले की जांच में जुटी

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के हनुमानगंज थाना क्षेत्र के जिंदा छपरा गांव में बुधवार को एक युवक व युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में लीची के पेड़ से लटकते शव की खबर मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार आज 29 जुलाई को समय लगभग 13.00 बजे जरिए मोबाइल से सूचना प्राप्त हुआ कि थाना हनुमानगंज क्षेत्र के जिंदा छपरा गांव में एक युवक और एक युवती आत्महत्या किए हैं और दोनों मृत अवस्था में लीची के पेड़ से लटके हुए हैं। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों से पूछताछ की तो मृतकों की पहचान रितेश कुमार पुत्र दयानिधि भारती उम्र करीब 22 वर्ष निवासी जिंदा छपरा और पूजा शर्मा पुत्री गोपाल शर्मा उम्र करीब 21 वर्ष निवासी खड्डा वार्ड 09 थाना खड्डा जनपद कुशीनगर के रूप में हुई। दोनो द्वारा लगभग 06 माह पूर्व कोर्ट मैरिज की गयी थी और साथ में ही जिंदा छपरा मे रह रहे थे। पुलिस द्वारा नियमानुसार शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा, पोस्टमार्टम के लिए कार्यवाही करते हुए शव को जिला मुख्यालय भिजवा कर मामले की जांच में जुट गई है। दिया। पुलिस टीम प्रकरण में सभी पहलुओं पर गहराई से छानबीन में लगी हुई है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि एक युवक व एक युवती का शव पेड़ से लटका हुआ है कि सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। प्रथम दृष्टया उक्त प्रकरण आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जायेगी।

चौकिया संघ खरीद केंद्र से गेहूं का उठान नहीं होने से बरसात में भींग सैकड़ों कुंटल गेहूं हुआ बर्बाद

मीरजापुर। खरीद केंद्र से गेहूं का उठान नहीं होने से बरसात में भींग सैकड़ों कुंटल गेहूं बर्बाद हो रहा है जिसकी कोई सुधि लेने वाला दिखाई नहीं दे रहा है। जिले के विकास खण्ड जमालपुर में चौकिया संघ पर पीसीयू द्वारा संचालित गेहूं खरीद केंद्र पर अभी भी लगभग डेढ़–दो हजार कुंटल गेहूं संघ के जर्जर भवन से लगाए जर्जर प्राथमिक विद्यालय में तथा खुले मैदान में तिरपाल से ढका पड़ा है। बता दें कि खरीद केंद्र बंद हुए लगभग महीने भर से उपर हो गया है, लेकिन जिला प्रबंधक एवं जिम्मेदार ठीकेदार की वजह से अब तक खरीद केंद्र से संपूर्ण गेहूं का उठान नहीं हो सका है। तिरपाल से ढंके होने के बावजूद भी आंधी–पानी में तिरपाल उड़ने से जर्जर भवन के छत से पानी टपकने से, चूहों द्वारा बोरियों को कुतरने एवं कुत्तों, पशुओं द्वारा बोरियों को फाड़ देने से अब तक सैकड़ों कुंटल गेहूं बर्बाद हो चुका है। अभी एक सप्ताह पहले तक यहां पर तीन हजार कुंटल से ज्यादा गेहूं पड़ा था, लेकिन इधर दो–तीन दिनों में आधे से ज्यादा गेहूं का उठान हुआ है और अभी भी लगभग आठ–दस ट्रक गेहूं यहीं पड़ा हुआ है।यहां के केंद्र प्रभारी द्वारा बरसते पानी में दिन तो छोड़िए सारी रात जाग कर कैंपस से पानी निकासी से लेकर तिरपाल से ढके गेहूं को भीगने से बचाने का प्रयास किया जा रहा है।संयोग मनाइये कि इस वर्ष अभी तक कायदे से बरसात ही नहीं हुआ है, वरना श कुछ भी पल्ले नहीं पड़ता और सारा गेहूं नष्ट हो गया होता। बताते चलें कि अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह द्वारा 28 जुलाई 2026 को बारिश के समय रात्रि लगभग नौ बजे मौके पर जाकर देखने पर केंद्र प्रभारी द्वारा तिरपाल से ढंके गेहूं की निगरानी करते एवं कैंपस में भरें पानी की निकासी व्यवस्था में तल्लीन पाया गया। मौके कि स्थिति को देखते हुए चौधरी रमेश सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा तुरंत संबंधित विभाग के जिम्मेदार लोगों को निर्देशित कर संपूर्ण गेहूं का उठान सुनिश्चित नहीं कराया गया तो बचा हुआ सारा गेहूं भी नष्ट हो सकता है।

संतान न होने से व्यथित विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, परिजनों में मचा कोहराम

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के गंगहरा कला गांव के सत्यदेव पाल की 23 वर्षीया पत्नी गंगोत्री देवी की संदिग्ध स्थिति में फांसी के फंदे पर झूलने से मौत हो गई। अपने घर में फंदे पर लटकी गंगोत्री को परिजनों ने आनन फानन में फंदे से निकाल कर चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मायके से मृतका की माता और भाई पहुंच गए थे। सभी के मौजूदगी में पुलिस ने शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लालगंज थाना क्षेत्र के गंगहरा कला गांव में सत्यदेव पाल की विवाहिता गंगोत्री देवी अबूझहालत में फांसी के फंदे पर लटक कर अपनी जान दे दी। सत्यदेव पाल की चार वर्ष पहले पड़री थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव की गंगोत्री देवी के साथ विवाह हुआ था। शादी के बाद चार वर्ष गुजर गए लेकिन गंगोत्री देवी कोख कोई संतान नहीं हुई। इसके लिए विवाहिता का उपचार भी चल रहा था। बच्चे न होने से विवाहिता गंगोत्री उदास रहती थी।परिजन ने बताया कि मंगलवार को शाम वह सामान्य थी परिवार को भोजन के बाद स्वयं भोजन कर सोने चली गई। बुधवार की भोर चार बजे मकान में सीढ़ी के ऊपर बने छावनी में कथित रूप से फंदे पर झूल गई। फंदे पर सबसे पहले पति सत्यदेव पाल ने देखा और परिजनों को जानकारी दी। आनन फानन में फंदे पर से निकाल कर चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे जहां पर मृत घोषित कर दिया। विवाहिता की मौत से घर में कोहराम मच गया। विवाहिता के मायके से माता और भाई रोते बिलखते गंगहरा गांव पहुंचे। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पाण्डेय और लहंगपुर चौकी प्रभारी सुजीत कुमार सेठ पहुंचे।

वृंदावन परिक्रमा मार्ग बनेगी विश्वस्तरीय, विप्रा 20 करोड़ से करायेगा दिव्य सौंदर्य

ई-रिक्शा और पैदल श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग मार्ग, अटल्ला पर 800 मीटर पुल से जाम का अंत,विकास प्राधिकरण ने दी मंजूरी

ए.के.शर्मा

वृंदावन (मथुरा)। राधे–राधे के जयकारों से गूंजने वाले वृंदावन की पावन भूमि पर अब आस्था के साथ आधुनिकता का संगम होगा। ठाकुर श्री बांकेबिहारी जी की नगरी के परिक्रमा मार्ग को देश–विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सुगम, सुरक्षित और दिव्य बनाने की महत्वाकांक्षी योजना को मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने हरी झंडी दे दी है।

प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु बांकेबिहारी जी के दर्शन के साथ परिक्रमा करते हैं। अभी वाहनों, ई–रिक्शा और पैदल यात्रियों के एक साथ चलने से अव्यवस्था और जाम की स्थिति बन जाती है। नई योजना में ई–रिक्शा, वाहन और पैदल परिक्रमा करने वालों के लिए अलग–अलग मार्ग बनाए जाएंगे। साथ ही पैदल मार्ग, सुविधा क्षेत्र, सीमेंट–कंक्रीट से ढकी नाली और बिजली–संचार लाइनों को भूमिगत किया जाएगा, ताकि मार्ग की दिव्यता और सौंदर्य दोनों बढ़े। योजना के प्रथम चरण में रमणरेती से निधिवन तक करीब 3.30 किलोमीटर लंबे परिक्रमा मार्ग का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इस पर लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अब श्रद्धालु बिना किसी बाधा के प्रेम और भक्ति के साथ परिक्रमा कर सकेंगे। द्वितीय चरण में अटल्ला चुंगी चौराहे पर करीब 800 मीटर लंबा ऊपरी पुल बनाया जाएगा। इस पर लगभग 80 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह चौराहा परिक्रमा मार्ग का प्रमुख द्वार है जहां हर समय जाम लगता है। पुल बनने से वाहन और श्रद्धालु दोनों को निर्बाध आवागमन मिलेगा। प्राधिकरण का संकल्प है कि इस योजना के पूरा होने के बाद वृंदावन परिक्रमा मार्ग न केवल अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित होगा, बल्कि देश–विदेश के भक्तों को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ ठाकुर जी की परिक्रमा का दिव्य अनुभव भी प्राप्त होगा।

मथुरा जन्मभूमि को भी मिलेगी सौगात

प्राधिकरण ने मथुरा में भी दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। जिसमें लगभग 350 करोड़ की लागत से मछली फाटक से श्रीकृष्ण जन्मभूमि गेट–3 तक 3.50 किमी लंबी ऊपर उठी हुई सड़क और लगभग 70 करोड़ की लागत से मसानी कट से महाविद्या कॉलोनी तक 1050 मीटर जोड़ने वाला मार्ग, पार्किंग और जनसुविधाएं शामिल है।

संगठन जितना मजबूत होगा, समाज की आवाज उतनी बुलंद होगी- सुनील श्रीवास्तव

कुशीनगर,(आरएनएस)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा कुशीनगर जिला इकाई की बैठक। पडरौना नगर के बेलवा चुंगी स्थित जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष संजय चाणक्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन को गांव–गांव तक मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों को सदस्य बनाने तथा समाज की एकजुटता को नई दिशा देने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव सुनील श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके सक्रिय कार्यकर्ता और व्यापक सदस्यता होती है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति संगठन से जुड़े और सामाजिक, शैक्षिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से सदस्यता अभियान को जन–जन तक पहुंचाने और युवा वर्ग को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष संजय चाणक्य ने कहा कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा समाज के हितों की रक्षा, प्रतिभाओं को सम्मान दिलाने तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज की सबसे बड़ी ताकत है। इसके लिए प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, सदस्यता अभियान तथा समाज के विभिन्न मुद्दों पर भी विचार–विमर्श किया गया। अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

बैठक का संचालन जिला महासचिव राधेश्याम श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रकाश श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, आदित्य श्रीवास्तव, विष्णु श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, प्रमोद, रविकांत, मोहित श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव सहित तमाम कायस्थ समाज के लोग उपस्थित रहे।

हनुमान इंटरमीडिएट कालेज में संस्थापक पंडित मातादीन शर्मा की जयंती समारोह की तैयारियां शुरु

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के पडरौना नगर स्थित हनुमान इंटरमीडिएट कॉलेज के संस्थापक, पूर्वांचल के गौरव, संस्कृति एवं संस्कृत के अनन्य उपासक पूज्य पंडित मातादीन शर्मा की 96वीं जयंती एवं विद्यालय के वार्षिकोत्सव के आयोजन की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। यह समारोह आगामी 8 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। समारोह की तैयारियों के क्रम में विद्यालय परिसर में खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। कबड्डी प्रतियोगिता के बालक वर्ग का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला प्रचारक अभय ने किया, जबकि बालिका वर्ग का शुभारंभ रियल पैराडाइज एकेडमी की प्रधानाचार्या डा. सुनीता पांडेय के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेन्द्र दत्त शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थापक पंडित मातादीन शर्मा के आदर्श, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण आज भी विद्यालय परिवार के लिए प्रेरणास्रोत हैं। विद्यालय के प्रबंधक मनोज शर्मा सारस्वत ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिताओं में जूनियर बालिका वर्ग के रोमांचक मुकाबले में कक्षा 7 की टीम ने कक्षा 6 को पराजित किया।

गोवर्धन में दरिंदगी! 10 साल की मासूम से दुष्कर्म, 42 साल का पड़ोसी गिरफ्तार

2 साल से इलाके में रह रहा था पश्चिम बंगाल का हरिदास, पक्सो-रेप में मुकदमा दर्ज, एसपी ग्रामीण बोले- दोषी को कठोरतम सजा दिलाएंगे

(मथुरा)

ब्रजभूमि को शर्मसार करने वाली घटना में थाना गोवर्धन क्षेत्र में एक 10–11 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी पड़ोसी निकला, जिसे पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी हरिदास, 42 वर्ष, मूल रूप से 24 परगना, पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। वह पिछले 2–3 साल से गोवर्धन में मकान खरीदकर रह रहा था। पीड़ित बालिका अपने परिजनों के साथ पास में ही किराए पर रहती थी। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर पर पुलिस ने बिना देरी किए दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया। फिलहाल आरोपित हरिदास पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। इस घिनौनी घटना से पूरे गोवर्धन क्षेत्र में आक्रोश है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी निष्पक्षता से होगी और दोषी को कानून की सबसे सख्त धाराओं में सजा दिलाई जाएगी।

कठोर कार्रवाई की जाएगी - एसपी ग्रामीण

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चन्द्र रावत ने बताया कि मामले का तत्काल संज्ञान लिया गया। महिला उपनिरीक्षक द्वारा बच्ची के बयान दर्ज किए गए हैं और मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। स्थानीय टीम सभी तथ्यों को संकलित कर रही है। इस प्रकरण में जो भी सत्यता पाई जाएगी, उसमें मथुरा पुलिस द्वारा अत्यंत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरनगर से मथुरा तक शिकार!

नाबालिग को बहला ले गया 19 साल का शातिर गिरफ्तार - आयुध एक्ट का पुराना आरोपी, पक्सो-बीएनएस में फिर फंसा गौरव खन्ना, जैंत पुलिस ने मघेरा चौराहे पर दबोचा

(मथुरा)

मुजफ्फरनगर का एक 19 साल का लड़का मथुरा आकर नाबालिग बच्चियों को अपना निशाना बना रहा था। लेकिन थाना जैंत पुलिस ने उसकी पूरी साजिश पर पानी फेर दिया।

30 जुलाई 2026 सुबह 9:15 बजे मघेरा चौराहा, बाटी रोड

पर जैंत पुलिस की टीम को मुखबिर से सूचना मिली। थानाध्यक्ष सोनू कुमार के नेतृत्व में दबिश देकर आरोपी गौरव खन्ना पुत्र अजय खन्ना, निवासी जनकपुरी, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही नाबालिग पीड़िता को सकुशल बरामद किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि गौरव खन्ना कोई पहला गुनहगार नहीं है। उस पर पहले से थाना जैंत में मुकदमा अपराध संख्या 483/2026 137(2) बीएनएस, अब बढ़कर 64(1)/87/115(2)/352/351(2) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट और मुकदमा अपराध संख्या 313/2025 थाना कोतवाली नगर मुजफ्फरनगर में आयुध अधिनियम 4/25 में पहले से वांछित था। मतलब साफ है कि हथियार रखने वाला ये शातिर अब नाबालिगों को बहला–फुसलाकर ले जाने लगा था। इस ऑपरेशन को उपनिरीक्षक शिव कुमार, हेड कांस्टेबल यतेन्द्र सिंह, कांस्टेबल सतेन्द्रपाल और रिजर्व कांस्टेबल सचिन की टीम ने अंजाम दिया। आरोपी को जेल भेजकर आगे की कार्यवाई की जा रही है।

बच्ची से छेड़छाड़ में अधेड़ पर पास्को और एससीएसटी के तहत एफआईआर दर्ज

जौनपुर। जिले के मड़ियाहूं थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पास्को समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार, घटना 13 जुलाई की सुबह करीब 7ः30 बजे की बताई गई है। छात्रा स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। आरोप है कि रास्ते में लल्लू दुबे उर्फ विजय बेलवा निवासी ने उसे रोक लिया और उसके साथ अभद्रता करने लगा। छात्रा द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटने लगे, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। इससे पहले भी आरोपी बच्ची के साथ कुत्सित प्रयास कर चुका था। पीड़िता के परिजनों का कहना है कि घटना की सूचना तत्काल डायल–112 पर दी गई थी। पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी लेने के बाद आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। बाद में परिजनों ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। एफआईआर में यह भी आरोप लगाया गया है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़िता और उसके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने तथा जान से मारने की धमकी दी। इससे परिवार में भय का माहौल है।

जी-7 क्या है? इसके वैश्विक मायने क्या हैं? दुनिया के विभिन्न महत्वपूर्ण देशों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

जी–7 में सात प्रमुख औद्योगिक लोकतांत्रिक देश शामिल हैंरू संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान। इसके अलावा यूरोपीय संघ भी स्थायी भागीदार के रूप में शामिल होता है। यह कोई औपचारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन नहीं हैय इसका न तो कोई संविधान है और न ही स्थायी सचिवालय।दुनिया के अस्ताचलगामी शक्तिशाली देशों के रणनीतिक संगठन जी–7 की शिखर बैठक फ्रांस के एविध्यां (ॉिंपंद–समे–ठंपदे) शहर में 15दृ 17 जून 2026 तक आयोजित हुई, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसी बैठ में सवा साल मोदी–ट्रंफ की भी मुलाकात हुई, जिसका अपना बहुपक्षीय महत्व है। जी–7 क्या है? इसके वैश्विक मायने क्या हैं? और दुनिया के विभिन्न महत्वपूर्ण देशों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? इसकी चुनौतियां क्या हैं और किस बात के लिए आलोचनाएं होती हैं? जवाब निम्नलिखित है– जी–7 में सात प्रमुख औद्योगिक लोकतांत्रिक देश शामिल हैंरू संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान। इसके अलावा यूरोपीय संघ भी स्थायी भागीदार के रूप में शामिल होता है। यह कोई औपचारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन नहीं हैय इसका न तो कोई संविधान है और न ही स्थायी सचिवालय। जी–7 शिखर सम्मेलन का सबसे से बड़ा भू–राजनीतिक संदेशरू 2026 का फ्रांस जी–7 शिखर सम्मेलन यह संकेत देता है कि

विश्व व्यवस्था अब केवल अमेरिका–चीन प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब तीन बड़े मुद्दे एक साथ उभर रहे हैंरू– एक, सुरक्षा (यूक्रेन, मध्य पूर्व)य दो, अर्थव्यवस्था (वैश्विक असंतुलन, सप्लाई चेन)य और तीन, प्रौद्योगिकी (।ए, डिजिटल शासन)। यदि जी–7 इन तीनों क्षेत्रों में साझा रणनीति बना पाता है, तो आने वाले वर्षों में वैश्विक शक्ति–संतुलन पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों और उनके साझेदारों (भारत, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया आदि) के पक्ष में झुक सकता है। वहीं चीन और रूस को अपने वैकल्पिक गठबंधनों को और मजबूत करना पड़ेगा। जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने निम्नलिखित हैं, जिन्हें समझकर और साधकर कोई भी देश आगे बढ़ सकता है।पहला, यूक्रेन–रूस युद्ध पर पश्चिमी एकजुटता की परीक्षारू जी–7 देशों ने यूक्रेन को समर्थन जारी रखने और रूस पर दबाव बनाए रखने पर चर्चा की। यूक्रेनी राष्ट्रपति टवसवकलउलत ॅमसमदोल की मौजूदगी ने संकेत दिया कि यूरोप चाहता है कि युद्ध का समाधान यूक्रेन की शर्तों के अनुरूप हो। लिहाजा इसका प्रभाव यह होगा कि रूस पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है।यूरोपीय सुरक्षा ढांचे में नाटो की भूमिका और मजबूत हो सकती है। वैश्विक हथियार एवं रक्षा उद्योग को लाभ मिल सकता है। भू–राजनीतिक संकटों पर सामूहिक प्रतिक्रियारू रूस–यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया की स्थिति, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और प्रतिबंधों जैसे मुद्दों पर जी–7 देशों की सामूहिक रणनीति अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करती है। दूसरा, अमेरिका–ईरान समझौते के बाद पश्चिम एशिया की नई राजनीतिरू यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक शांति समझौता सामने आया है। जी–7 नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर विशेष चर्चा की। इसका प्रभाव यह होगा कि अरब–खाड़ी देशों को राहत मिल सकती है। तेल कीमतों में स्थिरता आ सकती है। ईरान के वैश्विक आर्थिक पुनर्समावेशन की संभावना बढ़ सकती है।तीसरा, चीन के लिए स्पष्ट संदेशरू फ्रांस की अध्यक्षता वाले जी–7 का प्रमुख एजेंडा ष्वैश्विक आर्थिक असंतुलनष् और आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा है, जिसे व्यापक रूप से चीन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसका प्रभाव यह होगा कि चीन पर व्यापारिक दबाव बढ़ सकता है। ष्फ्रेंड–शोरिंगष् और ष्चाइना़1ष् रणनीति को बल मिलेगा। भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और मेक्सिको जैसे देशों को निवेश आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। हाल के वर्षों में जी–7 चीन की औद्योगिक क्षमता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और वैश्विक निवेश पहलों के विकल्प तैयार करने पर जोर दे रहा है। चौथा, ।ए और डिजिटल शासन पर वैश्विक नियमों की दिशाः जी–7 में ।ए के भविष्य, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नियमन पर भी चर्चा हुई। इसका प्रभाव यह होगा कि ।ए के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक विकसित हो सकते हैं। अमेरिका और यूरोप के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ सकता है।

सम्पादकीय

तेल खरीदना महंगा

पिछले महीने भारत यात्रा के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एलान किया था कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति जल्द ही नई दिल्ली जाएंगी और भारत वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पांच दिन की भारत यात्रा आई हैं। संभावना है कि उनकी इस यात्रा के दौरान भारत वेनेजुएला से कच्चे तेल की अधिक खरीदारी का सौदा करेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने के आखिर में भारत यात्रा के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस संबंध में एलान किया था। कहा था कि रोड्रिगेज जल्द ही नई दिल्ली जाएंगी और भारत वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा। इस घोषणा की पृष्ठभूमि गौरतलब है। पिछले तीन जनवरी को वेनेजुएला पर अचानक हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकलस मदुरो और उनकी पत्नी का अपहरण करने के बाद अमेरिका ने वहां के तेल भंडार पर अपना पूरा नियंत्रण बना लिया है।

अब अमेरिकी कंपनियां वहां तेल निकालने और बिक्री करने में जुटी हुई हैं। इस बिक्री का पैसा भी अमेरिका के पास जाता है, जो उसमें से वेनेजुएला का हिस्सा अपनी मर्जी से तय कर उसके खजाने में भेज देता है। रोड्रिगेज वेनेजुएला में चाविस्मो (पूर्व राष्ट्रपति उगो चावेज की समर्थक विचारधारा) का प्रमुख चेहरा रही हैं। मगर तीन जनवरी की घटना के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका द्वारा वहां थोपी गई औपनिवेशिक किस्म की व्यवस्था में उन्होंने काम करना स्वीकार किया है। इस बारे में लैटिन अमेरिकी वामपंथी समूहों में अलग– अलग राय है। एक सोच है कि ऐसा कर रोड्रिगेज आगे और हमलों और इस क्रम में चाविस्मो के सांगठनिक ढांचे को पूरी तरह नष्ट हो जाने से बचा रही हैं। इसे एक तरह की समय काटने की रणनीति बताया गया है। मगर उनके आलोचकों की संख्या भी कम नहीं है। उधर यह भी कम विचित्र नहीं है कि भारत की तेल खरीद संबंधी फैसले अमेरिका ले रहा है। रूस के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदना भारत को महंगा पड़ रहा है। मगर डॉनल्ड ट्रंप के काल में अमेरिका से रिश्ता रखने के लिए ऐसी कीमतें चुकाने की अनिवार्य शर्त उसके सभी कथित सहयोगी देशों को चुकानी पड़ रही है। भले बात परेशान करने वाली हो, लेकिन यही सच है कि रोड्रिगेज की भारत यात्रा का एजेंडा वॉशिंगटन से तय हुआ है।

पंडित नेहरू के इंडिया से मोदी के भारत तक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 जून को हमारे इतिहास के लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा में रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। इस दरमियान काफी समय तक भारतीय शासन की सेवा करने के नाते मैं कह सकता हूं कि मोदीकी उपलब्धि कार्यकाल की लंबाई नहीं है। उन्होंने इस पद पर रहते हुए जो कुछ किया, वास्तविक उपलब्धि वह है।

मोदी ने 10 जून, 2026 को प्रधानमंत्री के पद पर अपना लगातार 4399वां दिन पूरा कर लिया। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के 1952 में पहली निर्वाचित सरकार से 1964 में उनके निधन तक लगातार प्रधानमंत्री रहने के कीर्तिमान को पीछे छोड़ दिया। 1947 से देखें तो सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री के पद पर रहने का रिकॉर्ड अब भी पंडित नेहरू के नाम ही है। लेकिन मोदीने उन्हें हमारे गणराज्य के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित शासन प्रमुख रहने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। इस दरमियान मैंने अपना कामकाजीवन शासन के अंदर गुजारा है। इस उपलब्धि में मेरी दिलचस्पी गणित के लिहाज से कम है। मेरी ज्यादा दिलचस्पी इसमें है कि इस उपलब्धि को कैसे मापा जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सिखाया है कि सरकार को इस बात से आंका जाना चाहिए कि कतार के आखिर में खड़े आदमी तक क्या कुछ पहुंचता है। इसे ही अंत्योदय कहते हैं। पंडित नेहरू के श्इंडियाश् और मोदीके श्भारतश् के बीच का फासला वह दूरी है जिसे इस आखिरी आदमी ने तय किया है।

एक निष्पक्ष मूल्यांकन करें तो देखते हैं कि पंडित नेहरू को विरासत में क्या मिला था। उन्हें विरासत में एक ऐसा विभाजित उपमहाद्वीप मिला जो इतिहास के सबसे बड़े जबरन विस्थापन से जूझ रहा था, दो सदियों के औपनिवेशिक शोषण से खोखली हो चुकी अर्थव्यवस्था मिली, ऐसी आबादी मिली जिसमें पाँच में से एक से भी कम लोग पढ़–लिख सकते थे और औसत उम्र तीस साल के आस–पास थी। उस विरासत के आधार पर उन्होंने एक ऐसा संवैधानिक लोकतंत्र खड़ा किया जो टिका रहा, जबकि एक के बाद एक स्वतंत्र हुए कई अन्य देश सेना के जनरलों या तानाशाहों के कब्जे में चले गए। योजना आयोग दिशा तय करता था, सार्वजनिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर मजबूत पकड़ थी और लाइसेंस प्रणाली यह तय करती थी कि कौन क्या उत्पादन कर सकता है। विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएँ, परमाणु और अंतरिक्ष कार्यक्रम – आजाद भारत की संस्थागत नींव उन्हीं वर्षों में रखी गई थी। मैं 1974 में विदेश सेवा में आया और जिस भारत का मैंने प्रतिनिधित्व किया, वह एक गंभीर देश था जिसने अपनी व्यवस्था की क्षमता के अनुसार पूरी गरिमा के साथ अभावों का सामना करने का रास्ता चुना था।

गरीबों का सशक्तिकरण समावेशी परिवर्तन का एक दशक

पिछले बारह वर्षों में, भारत के लगातार सरकारी प्रयासों ने जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाई है, जिससे वंचित परिवारों में अभाव कम हुआ है। कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों के विस्तार से लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। ग्रामीण इलाकों में नल के पानी की सुविधा 2019 के 3.23 करोड़ घरों से बढ़कर मई 2026 तक 15.84 करोड़ घरों तक पहुंच गई है। 12.11 करोड़ से ज़्यादा घरों में शौचालय बनाए गए, जिससे ग्रामीण स्वच्छता कवरेज 2014 के 39 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया। पीएम उज्ज्वला योजना के तहत 10.57 करोड़ से ज़्यादा मुफ्ध्त एलपीकनेक्शन दिए गए, जिससे महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और घरों के अंदर होने वाला प्रदूषण कम हुआ। आयुष्मान भारत के तहत 43.93 करोड़ हेल्थ कार्ड जारी किए गए, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने 81 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों को मुफ्ध्त अनाज उपलब्ध कराया, जिससे पूरे देश में गरीब परिवारों की खाद्य सुरक्षा मजबूत हुई। प्राथमिक स्कूलों में लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर 2013–14 के 4.6 प्रतिशत से तेजी से घटकर 2024–25 में 0.3प्रतिशत रह गई। डिजिटल शासन सुधारों की मदद से आधार–आधारित राशन वितरण संभव हो पाया। आकांक्षी जिलों और आदिवासी इलाकों में भी पानी, स्वच्छता और आजीविका से जुड़े विशेष प्रयासों के जरिए कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार किया गया।

गरीबी उन्मूलन और बहु–क्षेत्रीय कल्याण में रणनीतिक प्रतिमान

पिछले एक दशक में, भारत ने गरीबी कम करने, सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाने के मामले में एक बड़ा बदलाव देखा है। पब्लिक पॉलिसी को समावेश, पहुंच और आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के सिद्धांतों से दिशा मिली है। इससे यह पक्का हुआ है कि आर्थिक विकास का लाभ सभी लोगों तक पहुंचे।

खास बात यह है कि औसत महंगाई दर 2004–2014 के दौरान 8.1 प्रतिशत से घटकर 2014–2025 के दौरान 5.1 प्रतिशत रह गई। इससे कीमतों में ज़्यादा स्थिरता आई और परिवारों की खरीदने की क्षमता में सुधार हुआ। साथ ही, भारत में बहुआयामी गरीबी 2013–14 में 29.17 प्रतिशत से तेजी से घटकर 2022–23 में 11.28 प्रतिशत रह गई। यह 17.89 प्रतिशत अंकों की कमी को दिखाता है। इस दौरान लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले।

यह प्रगति कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों के बड़े पैमाने पर विस्तार के कारण संभव हुई है। मुख्य उपायों में वित्तीय समावेश, सस्ती स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा, आवास, आजीविका सहायता और डिजिटल शासन सुधार शामिल हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक सर्विस डिलीवरी ने इन प्रयासों को और मजबूत किया है। कुल मिलाकर, इन पहलों ने ग्रामीण और शहरी भारत के लाखों गरीब परिवारों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है।

गरिमा का आधाररू मूलभूत जरूरतों तक सार्वभौमिक पहुंच

सरकारी प्रयासों का ध्यान पूरे ग्रामीण और शहरी भारत में नल के पानी की कनेक्टिविटी, स्वच्छता कवरेज, एलपीकी उपलब्धता और ग्रामीण विद्युतीकरण पर केंद्रित रहा है। ये प्रयास जीवन की बेहतर गुणवत्ता, मानव विकास और बड़े पैमाने पर बुनियादी सेवाओं की डिलीवरी की दिशा में हो रहे एक व्यापक बदलाव को दर्शाते हैं।

जल, स्वच्छता और साफ सफाई (डबल्यूएएसएच) तक सार्वभौमिक पहुंच

पिछले एक दशक में, स्वच्छ ऊर्जा, सुरक्षित पेयजल और बेहतर स्वच्छता तक पहुंच भारत की कल्याण और सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति का एक मुख्य आधार बनकर उभरी है। बड़े पैमाने पर किए गए उपायों ने जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार किया है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम किया है। इससे मानवीय गरिमा को मजबूती मिली है, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में।

जल जीवन मिशन

2019 में शुरू किया गया जल जीवन मिशन (जेजेएम), ग्रामीण परिवारों के लिए पीने योग्य पानी तक सार्वभौमिक पहुंच को संस्थागत बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचा पहल है।इस मिशन की शुरुआत ग्रामीण महिलाओं पर पानी लाने के लिए हाथ से किए जाने वाले काम के लंबे समय से चले आ रहे बोझ को कम करने के उद्देश्य से की गई थी। यह कार्यक्रम ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य, शैक्षिक उपलब्धि और सामाजिक–आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाने में सहायक है।

अपनी रणनीतिक प्राथमिकता को दर्शाते हुए, 2020–21 और 2026–27 के बीच वित्तीय आवंटन में लगभग 488 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 67,670 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अनुभव के लिहाज से, इस मिशन ने काफी बड़े पैमाने पर सफलता हासिल की है। अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ घरों तक नल के पानी की पहुंच थी, जो मई 2026 तक बढ़कर 15.84 करोड़ हो गई। यह कुल 19.35 करोड़ घरों में से 81.87 प्रतिशत घरों तक पहुंच को दर्शाता है। इसके अलावा, हर घर जल अभियान के तहत 2.77 लाख गांवों में 100 प्रतिशत घरों तक नल का पानी पहुंचाया गया।

इसके अलावा, इस पहल ने आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से विकास संबंधी असमानताओं को दूर किया है। आकांक्षी जिलों में, घरों में नल के पानी की कवरेज अगस्त 2019 में 23.62 लाख से बढ़कर मई 2026 तक 2.20 करोड़ हो गई। इसी तरह, आकांक्षी ब्लॉकों में, मई 2026 तक 1.11 करोड़ घरों को नल के पानी की सुविधा मिल गई थी। यह व्यवस्थित विस्तार सार्वजनिक स्वास्थ्य और ग्रामीण गरिमा को बढ़ाने के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जल जीवन मिशन के ऑपरेशनल दिशानिर्देशों में हर घर जल फ्रेमवर्क के तहत आने वाले गांवों के लिए प्रमाणीकरण की जरूरी शर्तें बताई गई हैं। संस्थागत स्तर पर इस फोकस की वजह से पीने के पानी की उपलब्धता में काफी बढ़ोतरी हुई है। किसी गांव को प्रमाणित तभी किया जाता है, जब वहां के सभी मुख्य सामुदायिक संस्थानों और घरों तक नल के पानी की पूरी तरह से पहुंच सुनिश्चित हो जाए।

इस संदर्भ में, नल के पानी की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या अगस्त 2019 में 29,711 से बढ़कर मई 2026 तक 9.23 लाख हो गई। साथ ही, इसी अवधि के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के पानी की सुविधा 15,464 से बढ़कर 9.66 लाख हो गई। इसके अलावा, ग्राम पंचायतों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नल के पानी की सुविधा 3.93 लाख संस्थानों तक पहुंच गई, जिसमें ऐसी 77.27 प्रतिशत सुविधाएं शामिल हैं। साफ पीने के पानी तक बेहतर पहुंच से जल–जनित बीमारियों में कमी आई है, स्वच्छता व्यवस्था मजबूत हुई है, और बेहतर शैक्षिक परिणामों को बढ़ावा मिला है, विशेष रूप से बच्चों और किशोरियों के लिए।

स्वच्छ भारत अभियान – शहरी

2014 में शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) एक बहुआयामी रणनीति है, जो भौतिक बुनियादी ढांचे और व्यवहारगत बदलावकृदोनों पर केंद्रित है। खुले में शौच और हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म करने के अलावा, यह पहल खराब स्वच्छता सुविधाओं को बेहतर बनाने और नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को संस्थागत रूप देने को प्राथमिकता देती है। इस प्रमुख अभियान ने सामाजिक मानदंडों में मौलिक बदलाव लाते हुए, स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचे की मांग और उसके उपयोग में भारी वृद्धि को बढ़ावा दिया है।

एसबीएम–यू फेज 1 (2014–2021) के तहत बजट आवंटन 62,009 करोड़ रुपये से बढ़ाकर एसबीएम–यू फेज 2 (2021–2026) के तहत 1.41 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। यह लगभग 128.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस मिशन के तहत, घर–घर जाकर कचरा इकत्रा करने का काम 2014 के 43 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 98 प्रतिशत हो गया। विभिन्न कलेक्शन और मटीरियल रिकवरी सेंटर्स पर कचरा प्रोसेसिंग का काम 2014 के 16 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 82 प्रतिशत हो गया।

व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण ने निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लिया हैय 63.74 लाख इकाइयां पूरी की गईं, जिससे लक्ष्य का 108.62 प्रतिशत हासिल हुआ। इसी तरह, सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय के बुनियादी ढांचे में भी काफी विस्तार हुआ, जो 6.36 लाख यूनिट्स तक पहुंच गया, जो लक्ष्य के 125.46 प्रतिशत के बराबर है। इन उपायों के परिणामस्वरूप, 4,692 शहरों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया गया है। 4,314 शहरों को ओडीएफ़ और 1,973 शहरों को ओडीएफ़ के रूप में प्रमाणित किया गया है, जो शहरी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

ओडीफ़ एवं ओडीएफ़ क्या है?

ओडीएफ का मतलब है खुले में शौच मुक्त कृ एक ऐसी स्थिति जिसमें कोई भी खुले में शौच नहीं करता और हर कोई शौचालयों का इस्तेमाल करता है। ओडीएफ़ का मतलब है कि कोई क्षेत्र न केवल खुले में शौच से मुक्त है, बल्कि वहां ठोस और तरल कचरे का प्रभावी प्रबंधन भी होता है। परिणामस्वरूप, उस क्षेत्र में समग्र स्वच्छता का स्तर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इससे आगे बढ़ते हुए, ओडीएफ़ का मतलब है कि उस क्षेत्र के सभी शौचालय चालू हालत में हैं और उनका उचित रखरखाव किया जाता है। उस क्षेत्र में मल–कीचड़ और सीवेज का भी सुरक्षित रूप से उपचार किया जाता है, न कि उन्हें सीधे नालियों या जल निकायों में बहा दिया जाता है।

स्वच्छ भारत अभियान – ग्रामीण

2014 से पहले, ग्रामीण भारत में लगभग 55 करोड़ लोगों के पास साफ–सफाई की उचित सुविधाएं नहीं थीं। इसकी वजह से सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी बड़ी चुनौतियां पैदा हो रही थीं और सामाजिक गरिमा को भी ठेस पहुंच रही थी, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए। इसी को देखते हुए, अक्टूबर 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की शुरुआत की गई। इस रणनीतिक प्राथमिकता की झलक, वित्तीय आवंटन में हुई 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी में साफ दिखाई देती है। बजट आवंटन 2014–15 के 3,929 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026–27 में 7,192 करोड़ रुपये हो गया है।इस मिशन के तहत, अब तक 12.11 करोड़ से ज़्यादा व्यक्तिगत घरेलू शौचालय बनाए जा चुके हैं। पहले चरण के दौरान, स्वच्छता कवरेज में काफी बढ़ोतरी हुई है। 2014 में यह 39 प्रतिशत था, जो 2019 तक बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया। इसके बाद, 2019 में भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर दिया गया। मार्च 2026 तक, 5 लाख से ज़्यादा गांवों ने ओडीएफ प्लस (मॉडल) का दर्जा हासिल कर लिया था। ओडीएफ प्लस में ग्रामीण भारत में ठोस और तरल कचरा प्रबंधन प्रणालियों के जरिए गांवों की पूरी तरह से सफाई करना शामिल है। यह प्रगति, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच से हटकर, पर्यावरण की समग्र स्वच्छता की ओर हुए एक व्यवस्थित बदलाव को दर्शाती है।

पूरे ग्रामीण भारत में कचरा प्रबंधन के व्यापक प्रोटोकॉल संस्थागत रूप से लागू किए गए हैं। 5.31 लाख गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन प्रणालियां सक्रिय हैं, और 5.50 लाख गांवों में तरलध्ग्रे–वॉटर प्रबंधन की व्यवस्था है। इस बुनियादी ढाँचे को 5,482 ब्लॉकों में फैली 2,415 प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों से और भी मजबूती मिली है। एसबीएम की इस उपलब्धि का संबंध बीमारियों और मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी से रहा है। इसके अलावा, गोबरधन पहल में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2018–19 में 14 चालू बायोगैस प्लांट से बढ़कर मई 2026 तक इनकी संख्या 1,213 से ज़्यादा हो गई। कचरा प्रबंधन के बुनियादी ढांचे और बायो–एनर्जी उत्पादन का यह व्यवस्थित एकीकरण, एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था की ओर मजबूत बदलाव को दिखाता है।

स्वच्छ खाना पकाने, नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रामीण विद्युतीकरण को बढ़ावा

सभी तक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भारत की व्यापक रणनीति स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, छतों पर सौर ऊर्जा प्रणाली अपनाने और ग्रामीण क्षेत्रों के पूर्ण विद्युतीकरण पर केंद्रित है।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना

2016 में शुरू की गई, क्करू उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में खाना पकाने के पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता को कम करना है। यह योजना गरीब परिवारों की वयस्क महिला लाभार्थियों को मुफ्ध्त एलपीकनेक्शन और रिफिल सहायता प्रदान करती है।

पीएमयूवाई ने घर के अंदर के वायु प्रदूषण और बायोमास–आधारित ईंधनों पर निर्भरता को कम करके ग्रामीण स्वास्थ्य और जीवन–स्थितियों में सुधार किया है। यह योजना महिलाओं की मेहनत को भी कम करती है, पर्यावरण संरक्षण में सहायता करती है, और पोषण परिणामों में सुधार लाती है। मई 2026 तक, गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों की महिलाओं को 10.57 करोड़ से ज़्यादा मुफ्ध्त एलपीकनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप, देश में एलपीकनेक्शनों की कुल संख्या 2014 के 14.52 करोड़ से बढ़कर 2026 में 33.39 करोड़ हो गई। यह 12 वर्षों में लगभग 129.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

प्रधानमंत्री सूर्य घररू मुफ्ध्त बिजली योजना2024 में शुरू की गई, पीएम सूर्य घररू मुफ्त बिजली योजना रूफटॉप सोलर सिस्टम को अपनाने को बढ़ावा देती है। यह घरों में सोलर सिस्टम लगाने के लिए सब्सिडी देती है और हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराती है। इससे गरीब और मध्यम–वर्गीय परिवारों का बिजली का खर्च कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, यह अतिरिक्त बिजली को बेचकर अतिरिक्त आय कमाने का अवसर भी देती है। एक कल्याणकारी पहल के तौर पर, यह ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है और जीवाश्म ईंधन से बनने वाली बिजली पर निर्भरता को कम करती है।

इस योजना पर ज्याद जोर है और 2026–27 में केंद्रीय बजट का आवंटन बढ़कर 22,000 करोड़ रुपये हो गया।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज माता–पिता की मदद मिलने से आपका कोई खास काम पूरा होगा। आपकी सेहत में कुछ उतार–चढ़ाव बना रहेगा।

वृष राशि–
आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये फायदेमंद होगी। आज आपका कोई खास दोस्त आपसे मदद मांग सकता है, जिसकी आप हर संभव मदद करेंगे।

मिथुन राशि
आज ऑफिस में आपकी ड्रेस की तारीफ होगी। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने साथियों से सहयोग प्राप्त होगा। किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से सॉल्व हो जायेगी।

कर्क राशि–
आज कोई शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आ सकता है। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर लोगों के सामने आयेगी।

सिंह राशि–
आज रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा। आज सामाजिक कार्यों में आप आगे रहेंगे।

कन्या राशि–
आज संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए।

तुला राशि–
आज आप अपने भविष्य के बारे में सोच–विचार करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आपके रिश्तें बेहतर होंगे।

वृश्चिक राशि–
आज आपकी मुलाकात किसी मित्र से हो सकती है। ये मुलाकात आपके लिये लाभदायक रहेगी। आज आपके सोचे हुए कार्य पूरे होंगे।

धनु राशि–
आज रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। बच्चों के किसी फैसले को लेकर आप असहमत हो सकते हैं। इस राशि के विद्यार्थियों को आज शिक्षक की तरफ से विशेष मार्गदर्शन मिलेगा।

मकर राशि–
आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्य स्थल पर दूसरे लोगों से वाद–विवाद की स्थिति बनने की संभावना है। आपको किसी से भी बिना वजह उलझने से बचना चाहिए।

कुंभ राशि–
आज आप किसी नए काम की प्लानिंग करेंगे। आपकी प्लानिंग सक्सेस होगी। आज परिवार वालों के साथ आप खुशनुमा पल बितायेंगे। इससे रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी।

मीन राशि–
आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को साथ काम करने वालों से मदद मिलेगी। उनका काम जल्दी पूरा होगा। आज जीवनसाथी के साथ किसी तीर्थ स्थल की यात्रा करेंगे।

श्रावण मास का श्रीगणेश आज, अयोध्या पांच जोन 21 सेक्टर में विभाजित

अयोध्या। श्रावण मास के कांवड़ मेला और झूला मेला के दौरान अयोध्या में अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। धार्मिक आस्था के इस महापर्व में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए पुलिस प्रशासन ने बहुस्तरीय सुरक्षा योजना लागू की है। अयोध्याधाम और नगर क्षेत्र को पांच जोन तथा 21 सेक्टर में विभाजित कर दो पालियों में नागरिक पुलिस और यातायात पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। इस वर्ष श्रावण मास 30 जुलाई (श्रावण कृष्ण पक्ष) से शुरू होकर 28 अगस्त (रक्षाबंधन) तक चलेगा। मेले के दौरान प्रमुख पर्वों का कैलेंडर भी जारी किया गया है। आस्था के इस महापर्व पर सुरक्षा का मजबूत कवच तैयार किया गया है। एसपी सिटी अयोध्या चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्यूआरटी से लेकर यातायात प्रबंधन तक हर स्तर पर तैयारी पूरी कर ली गई है। बाहरी जिलों का पुलिस बल भी मोर्चे पर है। प्रशासन का लक्ष्य है कि श्रावण मेला शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो, जिससे भक्तगण बिना किसी बाधा के अपनी आस्था का प्रदर्शन कर सकें। अयोध्या पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मेले की अवधि में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सुरक्षा व्यवस्था निरंतर मॉनिटर की जाएगी। 30 जुलाई को श्रावण मास का आरंभ होगा।

तीन अगस्त को प्रथम सोमवार, 10 अगस्त को द्वितीय सोमवार और 11 अगस्त को श्रावण शिवरात्रि मनाई जाएगी। 15 अगस्त से श्रावण झूला मेला का शुभारंभ होगा, जिसमें मणिपर्वत मेला और झूलोत्सव शामिल हैं। 17 अगस्त को तृतीय सोमवार एवं नागपंचमी के अवसर पर लक्ष्मण मंदिर में दर्शन, स्नान और पूजन का विशेष आयोजन होगा। 19 अगस्त को गोस्वामी तुलसीदास जयंती, 23 अगस्त को सर्व पुत्रदा एकादशी के दिन प्रातः सरयू स्नान के साथ मंदिरों में पांच दिवसीय झूलोत्सव का आरंभ और 24 अगस्त को चतुर्थ सोमवार मनाया जाएगा। 26 अगस्त को श्रावण मास की त्रयोदशी और शिवरात्रि प्रदोष पर नागेश्वरनाथ व अन्य शिवालयों में भारी भीड़ की संभावना है, जबकि 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन पर्व के साथ मेला समाप्त होगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अयोध्या पुलिस ने व्यापक तैयारी की है। नगर क्षेत्र को घाट जोन (दो सेक्टर), नागेश्वरनाथ मंदिर जोन (तीन सेक्टर), हनुमानगढ़ी मंदिर जोन (चार सेक्टर), कनकभवन मंदिर जोन (दो सेक्टर) और यातायात जोन (दस सेक्टर) में बांटा गया है। कुल पांच जोन और 21 सेक्टर में पुलिस बल तैनात रहेगा। इसमें स्थानीय नागरिक पुलिस, यातायात पुलिस के साथ–साथ प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत बाहरी जनपदों से प्राप्त पुलिस बल, येलोजोन सुरक्षा ड्यूटी हेतु उपलब्ध बल तथा यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें निरीक्षक–13, उपनिरीक्षक–150, महिला उपनिरीक्षक–20, हेड कांस्टेबलध्कांस्टेबल–650, महिला कांस्टेबल–85, यातायात निरीक्षक–2, यातायात उपनिरीक्षक–34, हेड कांस्टेबल टीपीध्कांस्टेबल टीपी–210, पीएसी की नौ कंपनियां एसडीआरएफ की दो टीमें व एक स्थान पर क्यूआरटी का गठन किया गया हैं। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान प्रत्येक सोमवार, श्रावण शिवरात्रि, नागपंचमी तथा अन्य प्रमुख पर्वों पर जनपद अयोध्या के राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, निरीक्षक, उपनिरीक्षक, प्रभारी चौकी और उपनिरीक्षक गण की ड्यूटी अलग से लगाई जाएगी। हर चप्पे–चप्पे पर पुलिस का पहरा रहेगा। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि श्रावण माह को देखते हुए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अधीनस्थ अधिकारियों के साथ सभी शिवालयों और प्रमुख मंदिरों का स्थलीय निरीक्षण किया गया है। अयोध्या धाम में पर्व के दौरान पार्किंग को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। डायवर्जन के लिए आस पास के जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक की गई है। विस्तृत प्लान तैयार कर लिया गया है। जिलों से समन्वय बनाते हुए डायवर्जन लागू किया जाएगा। मुख्यालय ने मेले को देखते हुए पुलिस अफसरों की सूची भेज दी है। उनकी तैनाती का खाका तैयार कर लिया गया है।

श्रावण मास मेले की तैयारियों का मण्डलायुक्त, डीआईजी व डीएम ने किया निरीक्षण

अयोध्या। श्रावण मास के दौरान आयोजित होने वाले राम की पैड़ी एवं मणि पर्वत झूला मेले के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर मण्डलायुक्त राजेश कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का व्यापक स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने तथा श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त के साथ डीआईजी सोमेन बर्मा, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, नगर आयुक्त जयेंद्र, डीएफओ प्रखर गुप्ता, अपर जिलाधिकारी (नगर) योगानंद पाण्डेय, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आदित्य विक्रम अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मण्डलायुक्त ने राम की पैड़ी, मणि पर्वत एवं आसपास के मेला क्षेत्र में स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, चिकित्सा सुविधाओं, नियंत्रण कक्ष, आपदा प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओ को देखा। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रत्येक विभाग पूर्ण सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करे। डीआईजी सोमेन बर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील स्थलों की निगरानी एवं यातायात प्रबंधन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय के साथ ड्यूटी का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं तथा प्रत्येक व्यवस्था का नियमित स्थलीय सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्रभावी यातायात प्रबंधन लागू किया जाए तथा प्रमुख मार्गों पर किसी प्रकार का अवरोध न रहने पाए। सरयू नदी में स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जल पुलिस की पर्याप्त तैनाती, मजबूत बैरिकेडिंग, गोताखोरों एवं राहत दल की उपलब्धता तथा सतत निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में चल रहे विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की भी समीक्षा की तथा संबंधित विभागों को गुणवत्ता के साथ सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि श्रावण मास मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

एलएलबी, एलएलएम, एमएड, बीफर्मा, डीफर्मा का परीक्षाफल घोषित

अयोध्या। डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एलएलबी 3 वर्षीय, एलएलएम, एमएड, बीफॉर्म, डीफॉर्म के अभ्यर्थियों का प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। एलएलबी 3 वर्षीय के परिणाम में प्रथम सत्यम यादव, द्वितीय सिद्धार्थ वर्मा, तृतीय अखिल राजरत्नम एलएलएम प्रवेश परीक्षा में प्रथम संगम यादव, द्वितीय श्रद्धा यादव, तृतीय जाह्नवी सिंह रही। बीफॉर्म प्रवेश परीक्षा परिणाम में प्रथम आयुषी तिवारी, द्वितीय देवेन्द्र प्रताप शाही, तृतीय मनखु यादव ने प्राप्त किया। डीफॉर्म में प्रथम प्रथम अमित कुमार पांडेय, द्वितीय अंकित वर्मा, तृतीय वेदांत यादव रहे। प्रवेश समन्वयक प्रो. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश क्रम में प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. अंकुर श्रीवास्तव, डॉ महेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

काव्य लेखन व काव्य पाठ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31 में दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत आयोजित काव्य लेखन व काव्य पाठ प्रतियोगिता संत कबीर सभागार में किया गया। काव्य लेखन में कुल 12 प्रतिभागी एवं काव्य पाठ में 26 लोगों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता प्रथम स्थान प्रांजुल गुप्ता (साकेत पीजी कॉलेज) द्वितीय स्थान अभिषेक श्रीवास्तव(बीए अवध विश्वविद्यालय) तृतीय स्थान गौरव शुक्ला (बी एनकेबी पीजी कॉलेज) व हिमाद्री परिसर। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. शांभवी शुक्ला, डॉ. मणिकांत त्रिपाठी ,डॉ स्नेहा पटेल, आयोजन डॉ. शिवांश कुमार डॉ. अंकित मिश्र के साथ–साथ प्रवीण मिश्र, शुभम शर्मा व निहारिका श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

नशा मुक्त अभियान पोस्टर प्रतियोगिता में शची दुबे रहीं प्रथम

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत सिंधी अध्ययन केंद्र में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नशा मुक्ति पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम शची दुबे, द्वितीय क्षमा सिंह, तृतीय ईशा प्रजापति रही। निर्णायक समिति में शालिनी पांडेय, रत्नेश यादव, विनीता पटेल की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इस अवसर पर प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, डॉ. स्नेहा पटेल, कपिल कुमार, अमन विक्रम सिंह, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ. प्रतिभा सिंह उपस्थित रहीं।

न्यायालय के आदेश पर सात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

-बिना अनुमति शीशम का कीमती पेड़ काटकर उठा ले जाने के मामले में बड़ी कार्रवाई

मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र में बिना अनुमति चोरी–छिपे शीशम का कीमती पेड़ काटकर उठा ले जाने के मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। पुलिस प्रशासन द्वारा ढिलाई बरतने पर पीड़ित ने जब अदालत का दरवाजा खटखटाया, तो अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय अयोध्या के कड़े रुख के बाद स्थानीय पुलिस को हरकत में आना पड़ा। न्यायालय के निर्देश पर खंडासा पुलिस ने गांव के ही सात आरोपियों के खिलाफ चोरी समेत वृक्ष संरक्षण अधिनियम की गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।मिली जानकारी के अनुसार, खंडासा थाना क्षेत्र के ग्राम बरौली पूरे तोर निवासी विपिन का आरोप है कि बीते 4 दिसंबर 2025 को उनके खेत के बगल लगा शीशम का एक विशालकाय कीमती पेड़ गांव के ही कुछ लोगों ने जबरन और चोरी–छिपे काट डाला। आरोपी पेड़ की लकड़ी को ट्रैक्टर–ट्रॉली में लादकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि जब उसने इस अवैध कटान का विरोध करना चाहा, तो दबंगों ने उसकी एक न सुनी।घटना के तुरंत बाद पीड़ित विपिन ने 4 दिसंबर 2025 को खंडासा थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायती पत्र दिया। आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।थाने से न्याय न मिलने पर पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या के समक्ष भी गुहार लगाई और प्रार्थना पत्र दिया। हालांकि, उच्चाधिकारियों के पास चक्कर काटने के बावजूद जब कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तब पीड़ित ने न्यायलय की शरण लेने का फैसला किया। थाना और पुलिस प्रशासन के सुस्त रवैये से परेशान होकर पीड़ित ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय, अयोध्या के समक्ष न्याय की गुहार लगाते हुए याचिका दायर की।न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए प्रस्तुत तथ्यों और साक्ष्यों को अत्यंत गंभीर माना। अदालत ने खंडासा थानाध्यक्ष को संबंधित धाराओं में प्राथमिकी पंजीकृत कर विवेचना करने का कड़ा आदेश जारी किया। अदालत के आदेश का अनुपालन करते हुए खंडासा पुलिस ने 22 जुलाई 2026 को मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी भोलानाथ सिंह, संजय सिंह, अनुराग सिंह, अभिमन्यु सिंह, राजेश सिंह, विश्वनाथ, दिवाकर के विरुद्ध चोरी तथा उत्तर प्रदेश ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों में वृक्षों का संरक्षण अधिनियम, 1976 की सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है।

साथी पोर्टल पर बीज लाइसेंस पंजीकरण कराना अनिवार्य

अयोध्या । जिला कृषि अधिकारी, अयोध्या ने जनपद के समस्त बीज उत्पादकों, विक्रेताओं, वितरकों, सहकारी संस्थाओं, निगमों, निजी फर्मों एवं निजी कंपनियों को सूचित किया है कि कृषि निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में बीज लाइसेंस का साथी पोर्टल पर पंजीकरण (ऑनबोर्ड) कराना 31 जुलाई 2026 तक अनिवार्य है। निर्धारित तिथि तक साथी पोर्टल पर पंजीकरण (ऑनबोर्ड) न कराने वाले बीज विक्रेताओं के बीज लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। साथ ही नए लाइसेंस भी तभी जारी किए जाएंगे, जब आवेदक का साथी पोर्टल पर पंजीकरण पूर्ण होगा। नियमानुसार पंजीकरण न कराने की स्थिति में लाइसेंस के निलंबन अथवा निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा सकती है। सभी संबंधित बीज विक्रेताओं से अपेक्षा की गई है कि वे अपने निकटवर्ती राजकीय कृषि बीज भंडार अथवा वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (बीज) से संपर्क कर यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करें तथा पंजीकरण (ऑनबोर्ड) की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए भविष्य में बीज उत्पादन एवं व्यवसाय का संचालन सुनिश्चित करें। जिन बीज विक्रेताओं को अभी तक यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त नहीं हुआ है, वे तत्काल जिला कृषि अधिकारी कार्यालय, अयोध्या में संपर्क कर आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करें। जिला कृषि अधिकारी ने सभी संबंधित बीज विक्रेताओं से अपील की है कि वे 31 जुलाई 2026 से पूर्व अनिवार्य रूप से साथी पोर्टल पर अपना पंजीकरण पूर्ण कर लें, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की प्रशासनिक अथवा विधिक असुविधा का सामना न करना पड़े। निर्धारित समय सीमा के उपरांत उल्लंघन की स्थिति में बीज नियंत्रण आदेश, 1983 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री से उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

तंबौर/सीतापुर। शारदा नदी के कटान से गांवों को बचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई सिंचाई विभाग की परियोजना अब गंभीर सवालों के घेरे में है। करीब 6 करोड़ 61 लाख की लागत से तैयार स्टड निर्माण कार्य पूरा होने के महज 20 दिन बाद ही क्षतिग्रस्त होने लगा। बुधवार को बाढ़ व कटान रोको संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बसंतापुर समेत आसपास के ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि लहरपुर तहसील के बसंतापुर गांव में पिछले वर्ष शारदा नदी की कटान से करीब 600 मीटर लंबा सुरक्षा बंधा नदी में समा गया था। इसके बाद सरकार ने बसंतापुर सहित आसपास के गांवों को कटान से बचाने के लिए 6.61 करोड़ की लागत से स्टड निर्माण परियोजना स्वी.त की। सिंचाई विभाग ने अप्रैल में निर्माण शुरू कराया और 30 जून को कार्य पूर्ण होने का दावा किया। आरोप है कि जुलाई के मध्य में ही स्टड नंबर–4 के पास लगाया गया जियो ट्यूब नदी में धंसने लगा। देखते ही देखते परियोजना की मजबूती पर सवाल खड़े हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि सबसे हैरानी की बात यह है कि अभी शारदा नदी में बाढ़ भी नहीं आई है, फिर भी करोड़ों रुपये की परियोजना जवाब देने लगी। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद अधिशासी अभियंता विशाल पोरवाल मौके पर पहुंचे। इसके बाद धंसते हिस्से को बचाने के लिए नदी में बालू से भरी बोरियां डालकर अस्थायी मरम्मत का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इससे लोगों की आशंकाएं और बढ़ गई हैं। संघर्ष मोर्चा से जुड़े संतोष गुप्ता, विनीत कुमार, शिवकुमार, रणबहादुर सिंह, फिरोज, जमुना सागर सहित अन्य ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी और वित्तीय जांच कराई जाए तथा निर्माण में लापरवाही, अनियमितता या गुणवत्ता से समझौता करने वाले अधिकारियों और संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में जनता के धन की बर्बादी न हो और गांवों को कटान से स्थायी सुरक्षा मिल सके।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा ने चलाया समरसता संकल्प अभियान, संत-महंतों से लिया आशीर्वाद

अयोध्या। गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा के पदाधिकारियों ने अयोध्या महानगर के विभिन्न मठों एवं मंदिरों में पहुंचकर संत–महंतों का अभिनंदन किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अभियान के तहत प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर, क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी तथा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने नेपाली बाबा, रामबल्लभाकुंज के महंत राजकुमार दास, हनुमत निवास की महंत मिथिलेश नंदिनी शरण, महंत अर्जुन दास तथा निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेन्द्र दास से भेंट कर उनका सम्मान किया और सामाजिक समरसता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। इस दौरान पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र, शिवम शुक्ला मौजूद रहे।

वहीं विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने संत रविदास मंदिर में महंत आचार्य अवधेश दास, मणिराम दास छावनी में महंत नृत्य गोपाल दास, डांडिया मंदिर के महंत गिरीश दास, लक्ष्मण किला के महंत मैथिली शरण तथा झुनकी घाट के महंत करुणाशरण का अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान समाज में समरसता, सद्भाव और संत परंपरा के संरक्षण पर भी चर्चा हुई। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि गुरु रविदास जी के समता, सामाजिक सद्भाव और मानवता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से समरसता संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। गुरु पूर्णिमा पर संतों का आशीर्वाद लेकर कार्यकर्ताओं ने समाज में एकता और समरसता को और सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

स्वस्थ वातावरण प्रदान करने से निर्मित होगी प्रतिभाएं - डा. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय के 31 में दीक्षांत समारोह के अंतर्गत पीएम श्री प्राथमिक महाविद्यालय मुमताज नगर में विश्वविद्यालय द्वारा भाषण, कहानी और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां भी की गई। कुलपति ने छात्र–छात्राओं की द्वारा बनाई गई कलाकृतियो का अवलोकन कर उनसे संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों और कक्षाओं की सीमाओं में सिमटी नहीं है, बल्कि संस्कृति, कला और अभिव्यक्ति का संगम ही एक विद्यार्थी का संपूर्ण विकास तय करता है। जब एक बालक चित्रकला में रंग भरता है, भाषण में अपने विचार रखता है। पारंपरिक गीत, सांस्कृतिक धरोहर को सुर देता है, तो वह केवल प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहा होता, बल्कि अपनी जड़ों और अपनी अंतर्निहित क्षमताओं से जुड़ रहा होता है। स्वस्थ वातावरण प्रदान करने से प्रतिभाएं निर्मित होती हैं। प्राथमिक और कंपोजिट स्तर पर छिपी यह प्रतिभा ही देश का भविष्य है। हमारा दायित्व है, कि हम इस हुनर को पहचानें, इसे सही दिशा दें और बच्चों के मन से मंच का भय दूर करें। जब गाँव और प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे आत्मविश्वास के साथ अपनी संस्कृति और विचारों को व्यक्त करते हैं, तो यही सच्ची समावेशी शिक्षा और विश्वविद्यालय का समाज से गहरा जुड़ाव साबित होता है। पारंपरिक गीतश् जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्थानीय लोक–संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुलपति ने छात्र–छात्राओं की प्रतिभा का मूल्यांकन करते हुए कहा कि भाषण, चित्रकला और कहानी प्रतियोगिताओं को रचनात्मकता व बौद्धिक क्षमता के विकास का माध्यम बनाना चाहिए। और जमीनी स्तर (प्राथमिक विद्यालयों) पर छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें विश्वविद्यालयीय स्तर तक प्रोत्साहन देना है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित छात्राओं को दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्रम भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक सदक हुसैन द्वारा किया गया।

सरकारी सत्र गायब, कार्रवाई हाजिर डीएम ने मौके पर ही लिए कड़े फैसले

सीतापुर। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की हकीकत परखने निकले जिलाधिकारी डॉ.राजागणपति आर. का औचक निरीक्षण बुधवार को गोंदलामऊ ब्लॉक के ग्राम सहावपुर में कई कर्मचारियों पर भारी पड़ गया। पंचायत भवन में आयोजित होने वाला वीएचएसएनडी (ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस) सत्र बंद मिलने पर डीएम ने मौके पर ही कड़ा रुख अपनाते हुए जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए। निरीक्षण के दौरान सत्र पूरी तरह बंद मिला, जिस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई।

एनसीसी अनुशासन व राष्ट्रसेवा की सशक्त पाठशाला - डा. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेटों को बी एवं सी प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने सफल कैडेटों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि एनसीसी का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने, जिम्मेदार नागरिक बनने और देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी कैडेटों से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इस वर्ष विश्वविद्यालय का एनसीसी परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। बी प्रमाण पत्र के लिए कुल 52 कैडेट सफल घोषित किए गए, जबकि सी प्रमाण पत्र परीक्षा में 29 कैडेट सफल रहे। प्रमाण पत्र वितरण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. डी. नियोगी, एनसीसी अधिकारी ले. डॉ. नवीन कुमार सिंह, गणेश सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं का हुआ सम्मान

अयोध्या। गुरु पूर्णिमा अवसर पर अधिवक्ता परिषद अवध प्रांत जिला इकाई द्वारा जिला सहकारी बैंक के सभागार में गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम आयोजित किया गया ,सर्वप्रथम भारत माता एवं डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया , कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान समारोह आयोजित कर प्रभु श्री राम जी की प्रतिमा भेंट कर एवं माला पहनाकर उनको सम्मानित किया गया सम्मानित होने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता हरि प्रकाश पांडे, बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष अशोक दुबे, वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार गुप्ता, ध्रुवजीत वर्मा, सुभाष त्रिपाठी,अनीता पाठक एवं नीरा यादव प्रमुख रही, कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष अरविंद कौल ने की तथा संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता आशुतोष कुमार पांडे ने किया, परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरुओं का सम्मान कर हम सभी आत्म विभोर हो रहे हैं सभी व्यक्तियों को आज के इस पावन पर्व पर अपने गुरुओं का सम्मान करना चाहिए, अधिवक्ता परिषद के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला एवं महामंत्री रत्नेश सिंह ने गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व के महत्व को बताया और कहा अपने गुरु एवं अपने परिवार में अपने माता–पिता का सम्मान करके ही हम गुरु पूर्णिमा के शब्द को चरितार्थ कर सकते हैं कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अधिवक्ता परिषद के महामंत्री रत्नेश सिंह ,उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, अजय प्रताप सिंह, अनीता पाठक, वर्षा ,कर्मवीर सिंह, आनंद पांडे , शिवमंगल सिंह, सारंगधर मिश्रा ,बबीता मौर्य, दीप्ति पांडे , सुरेश सिंह ,भास्कर श्रीवास्तव, मुरलीधर शुक्ला ,शत्रुघ्न निषाद ,निखिल त्रिपाठी सहित कई अधिवक्ता गण शामिल रहे

नैमिष में पंचमुखी प्लाजा का निरीक्षण, गुणवत्ता और समयसीमा पर डीएम की सख्त हिदायत

सीतापुर। गोंदलामऊ के निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने नैमिषारण्य स्थित मां ललिता देवी मंदिर के निकट निर्माणाधीन पंचमुखी प्लाजा एवं अन्य विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए कार्यदायी संस्था को उच्च गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा हो, इसके लिए आवश्यकता पड़ने पर श्रमिकों और कार्मिकों की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा आने पर तत्काल प्रशासन को अवगत कराया जाए, ताकि उसका शीघ्र समाधान कर कार्य की गति प्रभावित न होने पाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।चोरी स्वीकारने के बावजूद कार्रवाई नहीं!

उप जिलाधिकारी ने की बैठक

सोहावल–अयोध्या।उप जिलाधिकारी गजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में राजस्व कर्मियों की एक बैठक तहसील सभागार में संपन्न हुई। बैठक में सभी क्षेत्र लेखपाल राजस्व निरीक्षक न्यायिक पटलों के कर्मी सहित राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल हुए। मंगलवार की दोपहर हुई इस बैठक में शासन की हर योजना को लेकर न सिर्फ मंथन हुआ बल्कि लापरवाही बरतने वाले राजस्व कर्मियों की क्लास भी लगाई गई। इस अवसर पर जन शिकायतों के निस्तारण में पार दर्शिता के साथ त्वरित गति से निस्तारण , आय, जाति, निवास, ई डब्ल्यू एस की रिपोर्ट, खतौनी अंश निर्धारण, फार्मर रजिस्ट्री आदि कार्य में तेजी लाने का निर्देश देते हुए हर क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक से फीड बैक लिया गया।

श्रद्धापूर्वक मनाई गई महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती

अयोध्या। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय, गुलाब बाड़ी स्थित लोहिया भवन में महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति का जीवन समाज में श्रम, संगठन, सामाजिक समरसता और जनकल्याण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की मूल भावना को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देता है। जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने शिक्षा और संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज को एकजुट होकर सामाजिक समरसता को मजबूत करने

विश्व अहिंसा दिवस पर जिले के में होंगी प्रतियोगी परीक्षाएं

चित्रकूट। वर्ष 2006 से चल रही परंपरा का निर्वाह करते हुए इस वर्ष भी जनपद की सामाजिक संस्था आयुष्मान वानप्रस्थ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रपिता बापू के जन्म दिवस को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय भाभा कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित संस्थान की प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। संस्था के निदेशक बलबीर सिंह ने बताया कि जनपद के 11 केंद्रों में प्राइमरी, जूनियर और सीनियर संवर्ग में सामान्य ज्ञान, निबंध, चित्रकला, मेंहदी, भाषण, रंगोली और सांस्.तिक कार्यक्रम की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाभा कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक डॉ मनोज द्विवेदी को कार्यक्रम संयोजक नामित किया गया है। संस्था के जिला संयोजक विजय चंद्र गुप्ता ने आयोजन की रूपरेखा साझा किया। संस्था के उपनिदेशक हीरालाल सोनी ने बताया कि यह आयोजन संस्था के उस संकल्प को ध्वनित करता है जिसमें नयी पीढ़ी की ऊर्जा के साथ वानप्रस्थियों के अनुभव के बीच एक सेतु बनाने की प्रतिबद्धता अभिव्यक्त किया है। कार्यकारिणी सदस्य जय श्री जोग ने बताया कि 13 सितंबर को सामान्य ज्ञान, निबंध और चित्रकला की प्रतियोगिताएं एक साथ सभी केंद्रों पर संपादित होंगी। '20 सितंबर को' जिला स्तरीय केंद्र चित्रकूट इंटर कालेज में 'भाषण और मेहंदी' की प्रतियोगिताएं होंगी। सांस्.तिक प्रस्तुतियां, रंगोली और पुरस्कार वितरण 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन चित्रकूट इंटर कॉलेज में होंगी। संस्था के उपाध्यक्ष अतुल प्रताप सिंह ने बताया कि परीक्षा के जिला स्तरीय केंद्र चित्रकूट इंटर कॉलेज के अलावा 11 अन्य केंद्रों में प्रतियोगिताएं होंगी। जिला कारागार और बाल संप्रेक्षण गृह में प्रतियोगिता इस आयोजन की विशिष्टता है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक और जूनियर स्कूल, कस्तूरबा गांधी विद्यालय और आश्रम पद्धति विद्यालयों में भी प्रतियोगिताएं होंगी। जवाहर नवोदय मानिकपुर भी इस वर्ष परीक्षा केंद्र है। चित्रकूट इंटर कॉलेज के केंद्र प्रभारी फूलचंद्र चंद्रवंशी और संस्था के सह जिला संयोजक पंकज दुबे ने बताया कि प्रश्न पत्र बनाने, प्रिंटिंग, विद्यालयों तक पहुंचाने और संकलन और पत्राचार के लिए अलग अलग दायित्व सौंपे गए है। संस्था के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि गांधी और उनके जीवन मूल्य हमारी विरासत है। उसे संजोना है और अपने बच्चों को सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करना है। जिले के वरिष्ठ पत्रकार शंकर प्रसाद यादव और सुधीर अग्रवाल को मीडिया प्रभारी नामित किया गया है। संस्था के संरक्षक पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा ने कहा कि जनपद में इस आयोजन की एक विशिष्ट पहचान है।

निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भूमिका निभाए संदर्भदाता : प्राचार्य

चित्रकूट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में समग्र शिक्षा एवं निपुण भारत मिशन के अंतर्गत एफएलएन तथा एनसीईआरटी की नवीन पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पाँच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाता प्रशिक्षण का समापन हुआ। यह प्रशिक्षण 24, 25, 27, 28 एवं 29 जुलाई को आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण राज्य स्तर पर प्रशिक्षित संदर्भदाताओं के माध्यम से ब्लॉक स्तर तक नई एनसीईआरटी पुस्तकों एवं एफएलएन आधारित शिक्षण पद्धतियों को प्रभावी रूप से पहुँचाने की राज्यव्यापी पहल का हिस्सा है। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर डायट प्राचार्य नीलम यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण का वास्तविक उद्देश्य विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण, गतिविधि आधारित एवं बाल केंद्रित शिक्षण को सशक्त बनाना है। उन्होंने सभी संदर्भदाताओं से अपेक्षा की कि वे अपने–अपने विकास खंडों में प्रशिक्षण के प्रमुख बिंदुओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भूमिका निभाएँ। प्रशिक्षण प्रभारी एवं प्रवक्ता अखिलेश कुमार पाण्डेय तथा प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता राजेश उपाध्याय ने प्रशिक्षण के दौरान एफएलएन के लक्ष्य, एनसीईआरटी की नवीन पाठ्य पुस्तकों का प्रभावी उपयोग, गतिविधि आधारित शिक्षण, कैचअप टीचिंग, पठन संस्.ति का विकास, उपचारात्मक शिक्षण, सतत मूल्यांकन तथा प्रभावी कक्षा शिक्षण के विभिन्न आयामों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने समूह कार्य, प्रस्तुतीकरण, शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण, पाठ योजना एवं अनुभव साझा करते हुए सक्रिय सहभागिता निभाई। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसे विद्यालयी शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

जनपद आजमगढ़ में जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी) के अंतर्गत ग्राम एवं नगर निर्देशिका संबंधी प्रशिक्षण संपन्न

आजमगढ़ (आर एन एस)आज जनपद आजमगढ़ में जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी) के अंतर्गत ग्राम निर्देशिका एवं नगर निर्देशिका की अनुसूचियों को भरने हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।प्रशिक्षण में जनपद की सभी आठों तहसीलों से ग्राम निर्देशिका कार्य हेतु नामित लेखपालों तथा सभी 16 नगर निकायों से नगर निर्देशिका कार्य हेतु नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी प्रतिभागियों को संबंधित अनुसूचियों के सही एवं गुणवत्तापूर्ण संकलन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि.ध्रा.) आजमगढ़ श्री गंभीर सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण किसी भी नई प्रक्रिया एवं विषयवस्तु को समझने और सीखने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग करते हुए सभी प्रतिभागी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं शुद्धता के साथ करें।प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन अपर जिला जनगणना अधिकारी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जनगणना से जुड़े प्रत्येक कार्य में जनपद आजमगढ़ को उत्कृष्ट स्थान दिलाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि आंकड़ों के संकलन के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि न होने पाए तथा प्रत्येक प्रविष्टि की गुणवत्ता, शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित की जाए, क्योंकि जनगणना के आंकड़े भविष्य की योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार होते हैं।

चेहल्लुम पर्व को लेकर गंभीरपुर थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित

आजमगढ़ (आर एन एस) चेहल्लुम (चालीसवां) पर्व के मद्देनजर बुधवार को गंभीरपुर थाना परिसर में थानाध्यक्ष अमित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।बैठक में आगामी 2 अगस्त एवं कुछ स्थानों पर 3 अगस्त को मनाए जाने वाले चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पर चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार गंभीरपुर थाना क्षेत्र के बनावे में दो, जहानियांपुर में एक, फैजुल्लापुर में एक तथा पीताम्बरपुर में एक स्थान पर ताजिया रखी जाएगी।थानाध्यक्ष अमित कुमार त्रिपाठी ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति त्योहार के दौरान माहौल खराब करने या कानून–व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ताजियादारों से निर्धारित मानकों का पालन करते हुए अधिक ऊंचाई की ताजिया न रखने की भी अपील की।बैठक में उपनिरीक्षक ज्ञान यादव सहित समसुल हसन, जफर आलम, मोहम्मद आरिफ, दिलावर, मोहम्मद सगीर, अशफाक, मोहम्मद साजिद एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मंदिरों व आश्रमों में गुरु पूजन, सत्संग और दीक्षा का आयोजन

अयोध्या। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर रामनगरी अयोध्या श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंग गई है। देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं, जहां वे अपने गुरु के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। मंदिरों और आश्रमों में गुरु पूजन, भजन–कीर्तन और धार्मिक आयोजनों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाए जाने वाले गुरु पूर्णिमा पर्व को अयोध्या में विशेष महत्व दिया जाता है। मान्यता है कि इस दिन गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करने से जीवन में ज्ञान और आध्यात्मिक मार्गदर्शन मिलता है। रामनगरी के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मणिराम दास छावनी, राम बल्लभा कुंज, तिवारी मंदिर, चारुशिला मंदिर, राम हर्षण कुंज और दशरथ महल समेत कई मंदिरों, आश्रमों और संत पीठों पर गुरु पूजन, सत्संग, भजन–कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों का आयोजन हो रहा है। संतों के दरबार को आकर्षक ढंग से सजाया गया है, जहां शिष्य अपने गुरु का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। महंत कमल नयन दास ने बताया कि गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। यह पर्व देशभर में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। आचार्य राघवेंद्र दास ने कहा कि अयोध्या संतों की नगरी है। हर साल लाखों श्रद्धालु सुबह सरयू नदी में स्नान करने के बाद मंदिरों में दर्शन–पूजन करते हैं और फिर गुरु स्थानों पर पहुंचकर दीक्षा लेते हैं। दीक्षा के दौरान गुरु द्वारा दिए गए मंत्र का श्रद्धालु अपने घरों में नियमित पूजा–पाठ और साधना के समय जप करते हैं। गुरु पूर्णिमा के मौके पर अयोध्या में आध्यात्मिक माहौल बना हुआ है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिरों और आश्रमों में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। संतों का कहना है कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु–शिष्य परंपरा और भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की हुई समीक्षा बैठक

-स्वास्थ्य सूचकांको को सुधारे चिकित्सा अधीक्षक : डीएम

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। इस दौरान जनपद में पिछले वर्ष माह जून 2025 तक देखे गए मरीजो के सापेक्ष माह जून 2026 तक ओपीडी 50102 अधिक, आईपीडी 1771 अधिक कराए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। कम्प्यूटराइज्ड ओपीडी, चिकित्सक परामर्श, लैब रिपोर्ट व आईपीडी में सबसे खराब प्रदर्शन मऊ व कर्वी शहर की पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अगली बैठक तक कार्य की प्रगति बढ़ाये जाने के निर्देश के साथ ही सभी चिकित्सको की आईडी बनवाते हुए कम्प्यूटराइज्ड परामर्श व आभा आईडी से जोड़ने के भी निर्देश दिए गये। संस्थागत प्रसव में पिछले वर्ष के सापेक्ष 155 प्रसव अधिक होने पर संतोष ब्यक्त किया गया। एमसीएच विंग खोह व सीएचसी मानिकपुर पर सीजेरियन प्रसव न कराए जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए व्यवस्था कराए जाने के निर्देश दिए गए। अध्यक्ष ने जेएसवाई की समीक्षा सीएम डैशबोर्ड में होने के कारण विशेष ध्यान देते हुए लाभार्थियों के 90 प्रतिशत से अधिक के भुगतान किये जाने के निर्देश दिए गए। गर्भवती महिलाओं व बच्चों से सबंधित डेटा एचएमआईएस के सापेक्ष आरसीएच पोर्टल व ई कवच पोर्टल मे शत प्रतिशत समय से न फीड किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए चिकित्सा अधीक्षक को आरसीएच डाटा एचएमआईएस के बराबर किये जाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष गर्भवती महिलाओं को कार्य योजना के अनुसार बुलाकर मानक के अनुसार जाच कराए जाने, चिन्हित बच्चों को उचित श्रेणी में रखकर उपचार दिए जाने, सभी गर्भवती महिलाओं को काल सेंटर बनाकर परामर्श दिए जाने, संस्थागत प्रसव कराए जाने के निर्देश

गलाघोंटू से बचाव के लिए स्कूलों मे लगाए जाएंगे टीके

चित्रकूट। जिले में डिप्थीरिया (गलाघोंटू) जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए तीन से सात अगस्त तक स्कूल आधारित टीडी–डीपीटी टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ महेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि शासन के निर्देश पर यह अभियान बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में संचालित किया जाएगा। बुधवार और शनिवार को छोड़कर सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शुक्रवार को टीकाकरण सत्र आयोजित होंगे। सीएमओ ने बताया कि अप्रैल 2026 में आयोजित टीकाकरण अभियान से छूटे बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर टीके लगाए जाएंगे। डीपीटी–2 बूस्टर के तहत पांच से छह वर्ष, टीडी–10 के तहत 10 वर्ष तथा टीडी–16 के तहत 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गलाघोंटू से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण है। अभियान को सफल बनाने के लिए जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। स्कूलों के प्रधानाचार्यों को नोडल अधिकारी नामित कर स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि निर्धारित तिथियों पर अपने बच्चों को विद्यालय में टीकाकरण के लिए अवश्य भेजें, ताकि कोई भी बच्चा इस जानलेवा बीमारी से बचाव के टीके से वंचित न रहे।

नदारद मिले 21 लेखपाल, रोका वेतन

चित्रकूट। डीएम के निर्देशानुसार ग्राम सचिवालयों में नामित लेखपालों की उपस्थिति का सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान जो लेखपाल निर्धारित समयावधि में ग्राम सचिवालय में अनुपस्थित पाए गए उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए वेतन आहरण पर रोक लगाए जाने के संबंध में संबंधित अनुभाग अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसमें 21 लेखपाल नदारद मिलने पर वेतन रोका गया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शासन की मंशा के अनुरूप ग्राम सचिवालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति तथा आमजन को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्य में लापरवाही अथवा अनधि.त अनुपस्थिति किसी भी दशा में स्वीकार नहीं की जाएगी तथा भविष्य में भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण एवं सत्यापन की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार भाई-बहन घायल

चित्रकूट। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर धारकुंडी आश्रम दर्शन के लिए जा रहे भाई–बहन सड़क हादसे का शिकार हो गए। कल्याणपुर के पास सामने से आए एक ई–रिक्शा ने उनकी तेज रतार बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसके पैर में फ्रैक्चर और माथे पर गहरी चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, मानिकपुर कस्बे के निवासी शिवकुमार रावत के पुत्र आशीष रावत अपनी बहन मूर्ति के साथ बुधवार दोपहर बाइक से धारकुंडी आश्रम जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक कल्याणपुर के समीप पहुंची, सामने से आए ई–रिक्शा से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दोनों भाई–बहन घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानिकपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मूर्ति की हालत को देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया, जबकि आशीष का उपचार स्थानीय स्तर पर किया गया।

संजय चावला ने अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजमगढ़ का पदभार ग्रहण किया

आजमगढ़, (आर एन एस)जनपद आजमगढ़ में अतिरिक्त उप जिला मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत रहे संजय चावला को शासन द्वारा पदोन्नति प्रदान किए जाने के उपरान्त जनपद आजमगढ़ में ही अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के पद पर नियुक्त किया गया है। शासन के निर्देशों के क्रम में संजय चावला ने 28 जुलाई 2026 को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजमगढ़ का पदभार ग्रहण किया।अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) का पदभार ग्रहण करने के उपरान्त संजय चावला ने कहा कि जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जनपद के चौमुखी विकास, सुशासन तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ ही आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।संजय चावला के अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) का पदभार ग्रहण करने पर जनपद के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनपदवासियों द्वारा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर लोगों ने कहा कि संजय चावला पूर्व में भी जनपद आजमगढ़ में महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। जनपद में पूर्व से कार्यरत रहने के कारण वे यहां की प्रशासनिक व्यवस्था, स्थानीय परिस्थितियों, जनसमस्याओं तथा विकास की आवश्यकताओं से भली–भांति परिचित हैं।लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके पूर्व अनुभव एवं प्रशासनिक दक्षता का लाभ जनपद को मिलेगा तथा वे अपने कार्यकाल में जनहित से जुड़े कार्यों को गति प्रदान करने के साथ ही जनपद के विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) संजय चावला ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, संवेदनशील एवं उत्तरदायी प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य किया जाएगा। उन्होंने जनपद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनसामान्य को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

उच्च प्राथमिक विद्यालय सिसरेड़ी में गुरु पूर्णिमा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई

आजमगढ़ (आर एन एस)शिक्षा क्षेत्र ठेकमा के उच्च प्राथमिक विद्यालय सिसरेड़ी में बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश यादव ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं धूप–दीप अर्पित कर किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर तथा उनका सम्मान करते हुए

गुरु–शिष्य परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा एवं आस्था व्यक्त की।इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु ही ज्ञान के प्रकाश से जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति सम्मान, श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव प्रत्येक विद्यार्थी का नैतिक कर्तव्य है।

कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक रामानंद प्रजापति, अश्वनी तिवारी एवं मनीष गुप्ता सहित विद्यालय के समस्त विद्यार्थी एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का वातावरण भक्ति, श्रद्धा एवं भारतीय संस्कारों से ओत–प्रोत रहा।

चित्रकूट के मठ-मंदिरों में उमड़े शिष्य, गुरुओं से लिया आशीर्वाद

चित्रकूट। धर्मनगरी चित्रकूट में बुधवार को गुरु पूर्णिमा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। मान्यता है कि आज के दिन वेद व्यास का जन्म हुआ था। शिष्य अपने गुरु का पूजन कर जीवन में ज्ञान, संयम और धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। सुबह से ही मंदाकिनी स्नान और कामदगिरि परिक्रमा के बाद भक्त मठ–मंदिरों की ओर बढ़े। भागवत पीठ में भगवताचार्य नवलेश दीक्षित ने कहा कि "गुरु वह दीपक है जो शिष्य के अंधकार को मिटाकर उसे सत्य के मार्ग पर ले जाता है।"शिष्यों ने उनका विधिवत पूजन कर आरती की और आशीर्वाद लिया। देर शाम तक भजन–कीर्तन और प्रसाद वितरण चलता रहा। कामदगिरि मंदिर में महंत स्वामी रामस्वरुपाचार्य महाराज और संत मदनदास महाराज ने प्रवचन में कहा कि "गुरु की .पा से ही मनुष्य मोह–माया से मुक्त होकर ईश्वर को प्राप्त करता है।" यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आचार्य आश्रम में बदरी प्रपन्नाचार्य ने शिष्यों को मर्यादा और सेवा का पाठ पढ़ाया। भरत मंदिर में दिव्य जीवनदास महाराज ने कहा कि "गुरु और गोविंद एक रूप हैं, जिनके चरणों में समर्पण ही मुक्ति का द्वार है।" मत्तगजेंद्रनाथ स्वामी मंदिर में पुजारी विपिन बिहारी और प्रदीप दास ने विशेष पूजन कराया। गायत्री शक्तिपीठ में व्यवस्थापक डॉक्टर राम नारायण त्रिपाठी, जानकीमहल में सीताशरण महाराज, धारकुंडी आश्रम और रघुवीर मंदिर जानकीकुंड में भी गुरुओं ने भक्तों को प्रवचन देकर आशीष दिया। सभी मठ मंदिरों में दिनभर भजन, कीर्तन, हवन और प्रसाद वितरण का क्रम चला। सुरक्षा के बीच श्रद्धालुओं ने गुरु वंदना कर अपने जीवन को सार्थक बनाने का संकल्प लिया। धर्मनगरी देर रात तक "गुरु गोविंद दोऊ खड़े" के भजनों से गूंजती रही।

शिक्षा के साथ एक हुनर अवश्य सीखें विद्यार्थी : कुलगुरु

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के बाल्मीकि सभागार में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, आस्था एवं भारतीय सांस्.तिक मूल्यों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन रहे। जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने की।

कार्यक्रम में पूर्व कुलपति एवं कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. कपिलदेव मिश्रा, प्रो. भरत मिश्रा, कुलसचिव प्रो. आञ्जनेय पांडेय, कृषि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एचएस कुशवाहा, सीएमसीएलडीपी के निदेशक प्रो. अमरजीत सिंह तथा अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता इंजी. अश्विनी दुग्गल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ललित कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि अभय महाजन एवं कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित भारतरत्न नानाजी देशमुख तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और वृक्षारोपण किया। इसके उपरांत बाल्मीकि सभागार में विद्यादायिनी माँ सरस्वती एवं महर्षि संदीपनी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कुलसचिव प्रो. आञ्जनेय पांडेय ने मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। जबकि छात्र–छात्राओं ने मंचासीन गुरुजनों का अंगवस्त्र अर्पित कर सम्मान किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत की गुरु–शिष्य परंपरा केवल ज्ञान प्रदान करने की व्यवस्था नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने समर्थ गुरु रामदास और छत्रपति शिवाजी महाराज, स्वामी विवेकानंद और राम.ष्ण परमहंस तथा गुरु दत्तात्रेय के प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि मनुष्य का पहला गुरु उसकी माता, दूसरा पिता और तीसरा समाज होता है। उन्होंने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के जीवन दर्शन मैं अपने लिए नहीं, अपनों के लिए हूँ को समाज जीवन का सर्वोच्च आदर्श बताते हुए युवाओं से सेवा, समर्पण और राष्ट्रभाव से जीवन जीने का आह्वान किया। कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि भारत के पर्व हमारी संस्.ति, परंपरा और जीवन मूल्यों के संवाहक हैं। गुरु–शिष्य संबंध विश्वास, समर्पण और आत्मीयता पर आधारित होता है। गुरु अपने शिष्य की सफलता का श्रेय सदैव उसे देता है और उसकी कमियों को स्वयं सुधारने का प्रयास करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा के साथ किसी एक हुनर या कौशल में दक्षता भी आवश्यक है। यही भविष्य में सफलता का सबसे बड़ा आधार बनेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, छोटी–छोटी असफलताओं से निराश न होने, निरंतर संवाद बनाए रखने तथा सकारात्मक .ष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इसके बाद छात्र–शिक्षक संवाद सत्र हुआ। उत्.ष्ट प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर पर्यावरण संरक्षण एवं बाघ संवर्द्धन का दिया गया संदेश

चित्रकूट। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर रानीपुर टाइगर रिजर्व द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्वतंत्र प्रभार, वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग राज्य मंत्री केपी मलिक ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।इस अवसर पर जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विवि के कुलपति शिशिर कुमार पांडेय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव अनुराधा वैमटी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रोजेक्ट टाइगर राजकुमार तथा अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सामाजिक वानिकी दीपक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर रानीपुर टाइगर रिजर्व के 'लोगों' व वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंत्री ने एक जनपद एक उत्पाद तथा अन्य विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। तत्पश्चात उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का पौध भेंट कर सम्मान किया गया। दीक्षा एवं प्रतीक्षा ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। मंत्री ने कहा कि बाघ केवल जंगल का राजा ही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिकी संतुलन का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि यदि बाघ सुरक्षित हैं तो जंगल, नदियाँ, जैव विविधता तथा मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। जिनमें वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" की भावना के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। कुलपति शिशिर कुमार पाण्डेय ने कहा कि मनुष्य यदि वन्य जीवों के प्रति प्रेम एवं संवेदनशीलता का भाव रखे तो प्र.ति और मानव के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण एवं वन्यजीव संरक्षण में सहभागिता निभाने का आग्रह किया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी ने कहा कि रानीपुर टाइगर रिजर्व पूर्व में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में जाना जाता था। उन्होंने बाघ संरक्षण के लिए वन्यजीव गलियारों के विकास एवं स्थानीय समुदाय की सहभागिता को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट टाइगर के प्रभावी क्रियान्वयन से देश में बाघों के संरक्षण को नई दिशा मिली है।

सौरव गांगुली ने अपनी छवि खराब करने पर सख्त एक्शन लिया

सौरव गांगुली ने अपनी मानहानि के आरोप में श्सौरव गांगुली फैन्सश नामक फेसबुक पेज और श्स्पोर्ट्जविकीश के खिलाफ कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि ये प्लेटफॉर्म उनकी छवि खराब करने वाली और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने वाली सामग्री लगातार साझा कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। यह घटना सोशल मीडिया पर मानहानि के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकेत देती है।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (ब।ठ) के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि श्सौरव गांगुली फैन्सश नाम का एक फेसबुक पेज उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा हैय उन्होंने इसमें मीडिया प्लेटफॉर्म श्स्पोर्ट्जविकीश (ैचवतजऋूपाप) का भी जिक्र किया है। ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन में थ्प्त् दर्ज की गई है। गांगुली ने कहा कि यह पेज लगातार ऐसी पोस्ट शेयर कर रहा है जिनका मकसद मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना और जनता के बीच मेरे बारे में नकारात्मक धारणा बनाना है।गांगुली ने अपनी शिकायत में कहा कि एक पब्लिक फिगर होने के नाते, मैं समझता हूँ कि राय और आलोचना पब्लिक लाइफ का हिस्सा हैंय हालाँकि, मेरी प्रतिष्ठा

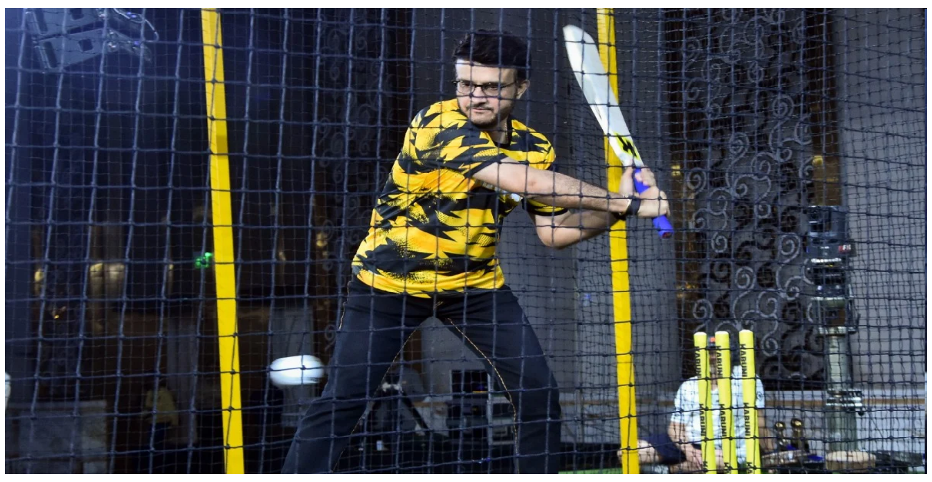

को नुकसान पहुँचाने के इरादे से गुमराह करने वाली, मानहानि करने वाली और नुकसानदेह सामग्री फैलाना स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए उचित कानूनी कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कृपया इस पेज को चलाने वाले व्यक्तियोंध्समूह के खिलाफ मेरी शिकायत दर्ज करें और लागू कानूनों के अनुसार जरूरी कार्रवाई करें।गांगुली मैदान पर अपने खास लीडरशिप स्टाइल के लिए जाने जाते थे। 1996 की गर्मियों में, उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया और श्दादाश उपनाम पाया। लॉर्ड्स में अपने पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद वे तेजी से सुर्खियों में आए, और फिर श्प्रिंस ऑफ कोलकाताश ने दूसरे टेस्ट में भी शतक जड़ा, जिससे वे इतिहास में अपनी पहली दो पारियों में शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। साल 2000 में, टीम इंडिया मैच–फिक्सिंग स्कैंडल में फँस गई थी। तब गांगुली को टीम का कप्तान बनाया गया और उन्होंने नए टैलेंट को तैयार करना शुरू किया। गांगुली की कप्तानी में भारत पहली बार 2000 प्ब् नॉकआउट ट्रॉफी के फाइनल में पहुँचा। टीम इंडिया के लिए एक और अहम मोड़ 2001 में आया, जब गांगुली की कप्तानी वाली टीम ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को 2–1 से हराया। स्टीव वॉ की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सीरीज में भारत को 'फॉलो–ऑन' के लिए मजबूर किया, लेकिन टटै लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक करके दिखाया।

वैभव सूर्यवंशी को उकसाया गया! भारतीय कोच बोले- वो शांत स्वभाव का लड़का है

इंडिया । और श्रीलंका । मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी की झड़प पर भारत के स्पिन कोच सायराज बहुतुले ने कहा कि शांत स्वभाव के सूर्यवंशी को बहुत उकसाया गया होगा। बहुतुले ने इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया और दोनों टीमों के अनुभवी कोचों से खिलाड़ियों को मैदान पर सही व्यवहार सिखाने का आग्रह किया ताकि क्रिकेट में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

भारत के नए स्पिन बॉलिंग कोच, सायराज बहुतुले ने इंडिया । और श्रीलंका । के बीच ट्राई–नेशन सीरीज मैच के बाद हुई श्दुर्भाग्यपूर्ण घटनाश पर अपनी राय रखी। सुपर ओवर में श्रीलंका । की जीत के बाद, इंडिया । के स्टार खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की विशन हलंबागे के साथ तीखी बहस हुई। बताया जा रहा है कि जब भारतीय बल्लेबाज ड्रेसिंग रूम की ओर लौट रहे थे, तब हलंबागे ने उनसे कुछ कहा था। काफी नाराज दिख रहे सूर्यवंशी ने हलंबागे का सामना किया और उन्हें धक्का दिया, जिसके जवाब में श्रीलंकाई खिलाड़ी ने भी उन्हें धक्का दिया।मामला और ज़्यादा बढ़ता, उससे पहले ही श्रीलंका के दूसरे खिलाड़ियों ने बीच–बचाव करके दोनों को अलग कर दिया। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि सुपर ओवर में सूर्यवंशी के साथ बैटिंग करने आए सूर्यांश शेडगे को भी श्रीलंका । के मैच जीतने के बाद हलंबागे ने स्लेज किया था। इस घटना ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त बहस छेड़ दी, और फैंस सूर्यवंशी के हलंबागे को धक्का देने के फैसले को लेकर बंटे हुए नजर आए।हाल ही में भारत के स्पिन–बॉलिंग कोच नियुक्त किए गए बहुतुले का मानना ध्हैे कि मैदान पर होने वाली ऐसी घटनाओं से आसानी से बचा जा सकता है। उन्हें भरोसा है कि दोनों टीमों के डगआउट में मौजूद कोच इतने अनुभवी हैं कि वे यह पक्का कर सकते हैं कि ऐसी घटना दोबारा न हो। लखनऊ में भारत और अफगानिस्तान के बीच दूसरे वनडे से पहले बहुतुले ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। हमें नहीं पता कि उसे किस हद तक उकसाया गया था, क्योंकि जहाँ तक मैं जानता हूँ, वैभव बहुत शांत और संयमित लड़का है।उन्होंने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, लेकिन मुझे यकीन है कि कई अनुभवी कोच हैं जो उसका मार्गदर्शन कर सकते हैं। साथ ही, श्रीलंकाई खिलाड़ियों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि मैदान पर कैसा व्यवहार करना चाहिए। यही बात हम पर भी लागू होती है। जहाँ तक सूर्यवंशी की बात है, बहुतुले ने कहा कि हो सकता है कि 15 साल के इस खिलाड़ी को इस हद तक उकसाया गया हो कि उसे जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इग्लैड ने टी 20 विश्व कप में बनाया रिकार्ड स्कोर,श्रीलंका को दी करारी शिकस्त

इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप में श्रीलंका को 87 रनों से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की, जिसमें डैनी वायट–हॉज के 62 गेंदों पर नाबाद 105 रन और एमी जोन्स के 53 रनों की साझेदारी ने टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर 219ध्1 खड़ा किया। इस रिकॉर्ड तोड़ बल्लेबाजी के बाद फ्रेया केम्प ने 21 रन देकर चार विकेट झटके, जो इस बड़ी जीत में महत्वपूर्ण साबित हुए।

इंग्लैंड ने शुक्रवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन में श्रीलंका को 87 रनों से हराकर अपने ज्20 वर्ल्ड कप अभियान की जबरदस्त शुरुआत की। टीम ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर टूर्नामेंट के इतिहास में अपना सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। फ्रेया केम्प ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया और मेजबान टीम को बड़ी जीत दिलाने में मदद की। पहले बल्लेबाजी करते हुए, इंग्लैंड की टॉप–तीन बल्लेबाजों ने यह सुनिश्चित किया कि मिडिल–ऑर्डर की बल्लेबाजों की जरूरत ही न पड़े। डैनी वायट–हॉज ने बल्लेबाजी की कमान संभाली और 62 गेंदों पर नाबाद 105 रन बनाए, जिसमें 13 बाउंड्री शामिल थीं। एमी जोन्स ने 38 गेंदों पर 53 रन बनाए, जिसमें चार बाउंड्री और एक छक्का शामिल था। श्रीलंकाई टीम के लिए एकमात्र विकेट मल्की मदारा ने लिया।

वायट हॉज ने नाबाद 105 रन बनाए जिससे इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर है। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 132 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें नीलशिखा सिल्वा ने सर्वाधिक 39 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से बाएं हाथ की तेज गेंदबाज फ्रेया केम्प ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 21 रन देकर चार विकेट लिए, जिसमें एक ओवर में तीन विकेट शामिल हैं। वायट हॉज और एमी जोन्स ने इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। जोन्स को 12 और 48 रन पर जीवनदान मिला और वह 38 गेंद में 53 रन बनाकर आउट हो गईं। लेकिन उनकी और वायट हॉज की 135 रन की साझेदारी टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की तरफ से पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। पिंडली में चोट से उबरकर वापसी करने वाली कप्तान नैट साइवर ब्रंट को 14 रन पर जीवनदान मिला। लेकिन 22 गेंदों पर उनकी नाबाद 46 रन की पारी ने उन्हें पूर्व कप्तान और वर्तमान में इंग्लैंड की कोच शार्लोट एडवर्ड्स से आगे निकलकर टी20 विश्व कप में इंग्लैंड की सर्वोच्च रन स्कोरर बना दिया। साइवर ब्रंट के नाम पर अब 784 रन दर्ज हैं जबकि एडवर्ड्स ने 768 बनाए थे। साइवर ब्रंट ने 97 रन पर खेल रही वायट हॉज को पारी की आखिरी दो गेंदें खेलने का मौका दिया। उन्होंने तुरंत चौका लगाकर शतक पूरा किया।

रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ रचेंगे इतिहास

रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे में मोहिंदर अमरनाथ का रिकॉर्ड तोड़कर भारत के सबसे उम्रदराज वनडे खिलाड़ी बन जाएंगे। यह सीरीज 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी का आगाज है, जहाँ रोहित की फिटनेस और प्रदर्शन पर सबकी नजर होगी, खासकर विराट कोहली की गैर–मौजूदगी में।भारत के ओपनर रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलेंगे। अनुभवी बल्लेबाज की फिटनेस पर नजर थी और ठब्ब् की मेडिकल टीम ने उन्हें मैचों में खेलने की मंजूरी दे दी है। पहले मैच में खेलते ही रोहित इतिहास रच देंगे। वह वनडे मैच खेलने वाले भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। वह मोहिंदर अमरनाथ का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जो भारत के पूर्व बैटिंग ऑलराउंडर थे और 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। अमरनाथ ने जब भारत के लिए अपना आखिरी वनडे मैच खेला था, तब उनकी उम्र 39 साल और 36 दिन थी। जब रोहित 13 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ पहला

वनडे खेलने उतरेंगे, तो उनकी उम्र 39 साल और 44 दिन होगी। कुल मिलाकर, नीदरलैंड के पूर्व खिलाड़ी नोलन क्लार्क वनडे खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। जब उन्होंने अपने देश के लिए आखिरी वनडे मैच खेला था, तब उनकी उम्र 47 साल और 257 दिन थी।शनिवार को धर्मशाला में अफगानिस्तान के खिलाफ पहली वनडे सीरीज के साथ जब भारत 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी औपचारिक रूप से शुरू करेगा, तो रोहित की मैच फिटनेस की तो परीक्षा होगी ही, साथ ही टीम मैनेजमेंट चोट–प्रवण हार्दिक पांड्या के बैक–अप के तौर पर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी बारीकी से नजर रखेगा। प्च्स् के दौरान हैमस्ट्रिंग की हल्की चोट से उबरने के बाद, रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए पूरी तरह फिट हो गए हैं, जबकि बेहतरीन खिलाड़ी विराट कोहली हैमस्ट्रिंग की एक दुर्लभ चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। भारत अक्टूबर–नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारी कर रहा है, ऐसे में इस बात पर संदेह है कि क्या 39 साल के रोहित तब तक वनडे के इस बड़े टूर्नामेंट तक खेल पाएंगे या नहीं। उम्र उनके पक्ष में नहीं है, लेकिन रोहित ने अपना शानदार प्रदर्शन लगातार बनाए रखा है। इस बड़े टूर्नामेंट से पहले भारत को लगभग 25 वनडे मैच खेलने हैं, जिससे टीम को खिलाड़ियों और कॉम्बिनेशन के साथ प्रयोग करने का काफी समय मिलेगा। उम्मीद है कि शुभमन गिल और रोहित पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि कोहली की गैर–मौजूदगी में तीसरे नंबर पर वापसी करने वाले ईशान किशन और यशस्वी जायसवाल के बीच मुकाबला होगा।

क्रिकेट विश्व कप 2027 की संभावित तारीखें 4 अक्टूबर से 21 नवंबर के बीच तय की गई हैं

क्रिकेट विश्व कप 2027 की संभावित तारीखें 4 अक्टूबर से 21 नवंबर के बीच तय की गई हैं, जो दक्षिण अफ्रीका की सह–मेजबानी में होगा। इस बार बदले हुए प्रारूप के साथ हो रहे इस टूर्नामेंट पर सबकी नजरें हैं, क्योंकि यह भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का आखिरी विश्व कप हो सकता है। अगले वनडे विश्व कप का इंतजार कर रहे क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी जानकारी सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने वर्ष 2027 में होने वाले विश्व कप के लिए संभावित कार्यक्रम की रूपरेखा लगभग तय कर ली है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 4 अक्टूबर 2027 से शुरू होकर 21 नवंबर 2027 तक खेली जा सकती है। इस बार टूर्नामेंट की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया मिलकर करेंगे।गौरतलब है कि इन तारीखों पर सहमति आईसीसी की बोर्ड बैठक में बनी, जो अहमदाबाद में आयोजित की गई थी। यह बैठक वर्ष 2026 के आईपीएल फाइनल के दौरान हुई थी। अब आखिरी मंजूरी जुलाई में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में होने वाली परिषद की वार्षिक आम बैठक में मिलने की संभावना है।बता दें कि इस विश्व कप का अधिकांश हिस्सा दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा। कुल 54 मुकाबलों में से 41 मैच दक्षिण अफ्रीका के विभिन्न मैदानों पर आयोजित

किए जाने की योजना है। वहीं जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब और बुलावायो के क्वींस मैदान के अलावा विक्टोरिया फॉल्स को भी मेजबानी का अवसर मिलेगा। नामीबिया में फाले मोसी–ओआ–टुन्या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को प्रमुख आयोजन स्थल के रूप में तैयार किया जा रहा है। उम्मीद है कि यह मैदान इस वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएगा और अगले वर्ष इसके आधिकारिक उद्घाटन से पहले यहां घरेलू मुकाबले भी खेले जाएंगे।मौजूद जानकारी के अनुसार वर्ष 2027 का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में 24 वर्षों बाद लौट रहा है। इससे पहले वर्ष 2003 में भी इस देश ने विश्व कप की मेजबानी की थी। इस बार एक और बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा, क्योंकि प्रतियोगिता फिर से 14 टीमों के प्रारूप में खेली जाएगी। पिछले दो विश्व कप, जो इंग्लैंड और भारत में आयोजित हुए थे, उनमें केवल 10 टीमों ने हिस्सा लिया था।नए प्रारूप के तहत 14 टीमों को सात–सात टीमों के दो समूहों में बांटा जाएगा। प्रत्येक समूह से शीर्ष तीन टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद सुपर सिक्स चरण खेला जाएगा, जहां से सेमीफाइनल और फाइनल का रास्ता तय होगा। मेजबान होने के कारण दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने सीधे प्रवेश हासिल कर लिया है, जबकि नामीबिया को अभी योग्यता प्रक्रिया से गुजरना होगा।गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह विश्व कप विशेष महत्व रख सकता है।

कान्सर्ट से लेकर भजन क्लबिंग तक भारत में कैसे खड़ा हुआ 13,000 करोड़ का लाइव इवेंट्स बूम?

आज, युवा प्रोफेशनल्स म्यूजिक फेस्टिवल में शामिल होने के लिए अलग–अलग शहरों की यात्रा कर रहे हैं। छात्र महीनों पहले से ही आर्टिस्ट टूर के लिए पैसे बचा रहे हैं। हजारों लोग न सिर्फ म्क्ड नाइट्स और पॉप कॉन्सर्ट के लिए, बल्कि भक्ति संगीत सत्रों, कीर्तन और जिसे सोशल मीडिया ने श्भजन क्लबिंगश का नाम दिया है।कुछ साल पहले तक, किसी म्यूजिक कॉन्सर्ट के टिकट पर ध्10,000 खर्च करने की बात अधिकांश भारतीयों को हैरान कर देती थी। लेकिन आज की कहानी बिल्कुल अलग है। आज देश के युवा प्रोफेशनल्स केवल एक संगीत समारोह का हिस्सा बनने के लिए फ्लाइट पकड़कर दूसरे शहरों की यात्रा कर रहे हैं, तो वहीं छात्र अपने पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय आर्टिस्ट के टूर के लिए महीनों पहले से पॉकेट मनी बचा रहे हैं।दिलचस्प बात यह है कि यह दीवानगी सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक (म्क्ड) नाइट्स या वेस्टर्न पॉप कॉन्सर्ट तक सीमित नहीं है। आज हजारों युवा भक्ति संगीत सत्रों, कीर्तन और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे ष्भजन क्लबिंगष् जैसे अनूठे अनुभवों के लिए भी भारी संख्या में जुट रहे हैं। भारत की लाइव इवेंट्स इकॉनमी अब सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं, बल्कि एक बड़ा सांस्कृतिक और आर्थिक आंदोलन बन चुकी है। आंकड़ों की जुबानी– 19,600 करोड़ के भविष्य की ओरमार्केटिंग प्रोफेशनल पलक थापर (25 वर्ष) के अनुसार, मेरी उम्र के लोगों में यह एक आम ट्रेंड है। भौतिक वस्तुएं खरीदने के बजाय

हम यादें संजोना पसंद करते हैं। यह महंगा जरूर है, लेकिन जब आप समान सोच वाले हजारों लोगों के साथ सप्ताहांत पर अपने पसंदीदा संगीत का आनंद लेते हैं, तो वह अनुभव पूरी तरह से पैसा वसूल होता है। लाइव इवेंट्स हमें वह जुड़ाव और मौजूदगी (Presence) देते हैं जो कोई डिजिटल प्लेटफॉर्म नहीं दे सकता। युवाओं के लिए अनुभव देने वाले प्लेटफॉर्म 'स्पेक्टल' (Spectal) के फाउंडर हिमांशु चौधरी बताते हैं कि महामारी (Covid–19) ने इस बदलाव की रफ्तार को कई गुना तेज कर दिया। लोग लंबे समय तक घरों में कैद रहने के बाद अब असल जिंदगी में मिलने–जुलने और सामूहिक अनुभवों के लिए बेताब हैं। इसी का नतीजा है कि कभी छोटे स्तर पर होने वाले कॉलेज फेस्टिवल्स अब बड़े स्पॉन्सर्स और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोडक्शन के साथ ग्रैंड एंटरटेनमेंट इवेंट्स बन चुके हैं।'कॉन्सर्ट टूरिज्म' आर्थिक विकास का नया इंजनइस बूम का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि कॉन्सर्ट अब पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं। जब कोई बड़ा शो होता है, तो टिकट की कीमत केवल शुरुआत होती हैय इसके बाद लोग फ्लाइट, होटल, स्थानीय परिवहन, रेस्तरां और शॉपिंग पर भारी खर्च करते हैं। सरकारी दृष्टिकोण केंद्र सरकार ने साल 2030 तक भारत को लाइव एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनाने की इच्छा जताई है, जिससे लाखों रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।राज्यों के बीच होड़– भारत के राज्य अब लाइव इवेंट्स को अपनी अर्थव्यवस्था चमकाने के मौके के रूप में देख रहे हैं। उदाहरण के लिए, असम सरकार ने हाल ही में म्यूजिक टूरिज्म के जरिए करोड़ों रुपये की 'कॉन्सर्ट इकॉनमी' बनाने की अपनी रणनीतिक योजना साझा की है। जेन जे और समुदायों का प्रभावयूथ कम्युनिटी प्लेटफॉर्म न्दकमत25 की सीईओ झील गांधी का मानना है कि जेन जे सफलता और खर्च को पुरानी पीढ़ियों की तरह नहीं देखता। उनके लिए किसी खास फेस्टिवल या फैनडम इवेंट का हिस्सा बनना अपनी पहचान को बयां करने का एक जरिया है। महामारी के दौरान अकेलेपन से जूझने के बाद, आज का युवा उन समुदायों की तलाश में है जो उनकी पसंद और जीवन मूल्यों से मेल खाते हों। इसलिए, आज इवेंट्स में जाना केवल मुख्य परफॉर्मर को देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समान विचारधारा वाले लोगों से मिलने का एक माध्यम बन गया है।इस बदलाव को भांपते हुए ब्रांड्स ने भी अपनी एक्सपीरिएंशियल मार्केटिंग का बजट बढ़ा दिया है। इंस्टाग्राम पर 30 सेकंड के स्क्रॉलिंग विज्ञापन के मुकाबले, कॉलेज फेस्टिवल्स या लाइव ग्राउंड पर ब्रांड्स को उपभोक्ताओं का एक्सक्लूसिव और पूरा ध्यान मिल रहा है।

यूएस-इजरायल टेंशन खत्म होने से बाजार में बहार

अमेरिका–ईरान के बीच युद्ध थमने के संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तेजी आई, जिसके चलते सेंसेक्स 1,695 अंक और निफ्टी 461 अंक उछलकर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुझान और भू–राजनीतिक तनाव में कमी ने निवेशकों की धारणा को मजबूती दी, जिससे बाजार में यह उछाल देखा गया।अमेरिका–ईरान संघर्ष थमने के संकेतों के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में जोरदार उछाल आया। सेंसेक्स 1,695 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि निफ्टी में करीब 461 अंक की तेजी दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,695.40 अंक यानी 2.30 प्रतिशत उछलकर 75,527.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,775.47 अंक यानी 2.40 प्रतिशत चढ़कर 75,608.02 अंक तक पहुंच गया।इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 461.30 अंक यानी 1.99 प्रतिशत बढ़कर 23,622.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 483.75 अंक प्रतिशत चढ़कर 23,645.35 तक पहुंच गया था। विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सकारात्मक बयान से शेयर बाजार में तेजी का रुझान रहा। ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध समाप्त होने और दोनों देशों के बीच समझौते को लेकर सहमति बनने की बात कही है। इससे वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद बढ़ी और निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), टाइटन, इटर्नल और एचडीएफसी बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

पेद्दी बॉक्स अफिस वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से कुछ कदम दूर, भारत में 220.18 करोड़ हुआ राम चरण की फिल्म का कलेक्शन

राम चरण स्टारर पेद्दी, जिसमें जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं, दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर लगातार तहलका मचा रही है. यह फिल्म न केवल इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, बल्कि यह 2026 की साउथ इंडिया की नंबर 1 ग्रॉसर (सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म) भी बन गई है. दर्शकों की शानदार तारीफ, ब्लॉकबस्टर वर्ड–ऑफ–माउथ और खचाखच भरे सिनेमाघरों के दम पर पेद्दी अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार असाधारण आंकड़े दर्ज कर रही है.फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी ब्लॉकबस्टर रफ्तार को और मजबूत करते हुए एक और जबरदस्त वीकेंड देखा है. महज 11 दिनों में पेद्दी ने दुनिया भर में ?393 करोड़ से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है, जो दर्शकों से मिल रहे असीम प्यार को साफ दिखाता है. अपने सनसनीखेज दूसरे हफ्ते के परफॉर्मेंस के साथ, यह फिल्म थिएटर्स में लगातार अपना दबदबा बनाए हुए है और इसके धीमे होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं. इस खबर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ष्पेद्दी ने 11 दिनों में दुनिया भर में 393 करोड़ से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है , अपने दूसरे हफ्ते में भी दुनिया भर में सफलतापूर्वक चल रही है.पेद्दी ने 12वें दिन 20. 09 फीसदी गिरावट के साथ भारत में 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया.फिल्म के 13वें दिन 640 शोज चल रहे हैं और फिल्म ने खबर लिखेन जाने तक 0.08 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. फिल्म भारत में ग्रॉस कलेक्शन 261.05 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं, इंडिया में फिल्म का नेट कलेक्शन 220.18 करोड़ रुपये हो गाय है. इधर 13 दिनों में पेद्दी वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है.

बुची बाबू सना द्वारा लिखित और डायरेक्टेड पेद्दि में राम चरण लीड रोल में हैं, जिनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह दमदार स्टार कास्ट फिल्म के स्केल और इसके इम्पैक्ट को एक अलग ही लेवल पर ले जाती है। वेंकट सतीश किलारु द्वारा वृद्धि सिनेमाज के तहत, मैत्री मूवी मेकर्स, सुकुमार राइटिंग्स और आइवी एंटरटेनमेंट के सहयोग से प्रड्यूस की गई इस फिल्म के को–प्रड्यूसर ईशान सक्सेना हैं।आइवी एंटरटेनमेंट की शुरुआत 2020 में हुई थी और इसने भारत में सबसे पॉपुलर प्रोडक्शन हाउसेस और फिल्म राइट्स एक्वायर (हासिल) करने वाली कंपनियों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है. यह कंपनी लगातार क्रिएटिव प्रोडक्शन हाउसेस को बढ़ावा देते हुए प्रीमियम आईपी और फिल्म राइट्स की भारत की सबसे बड़ी फिल्मोग्राफी तैयार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, ताकि दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आने वाली बेहतरीन फिल्में

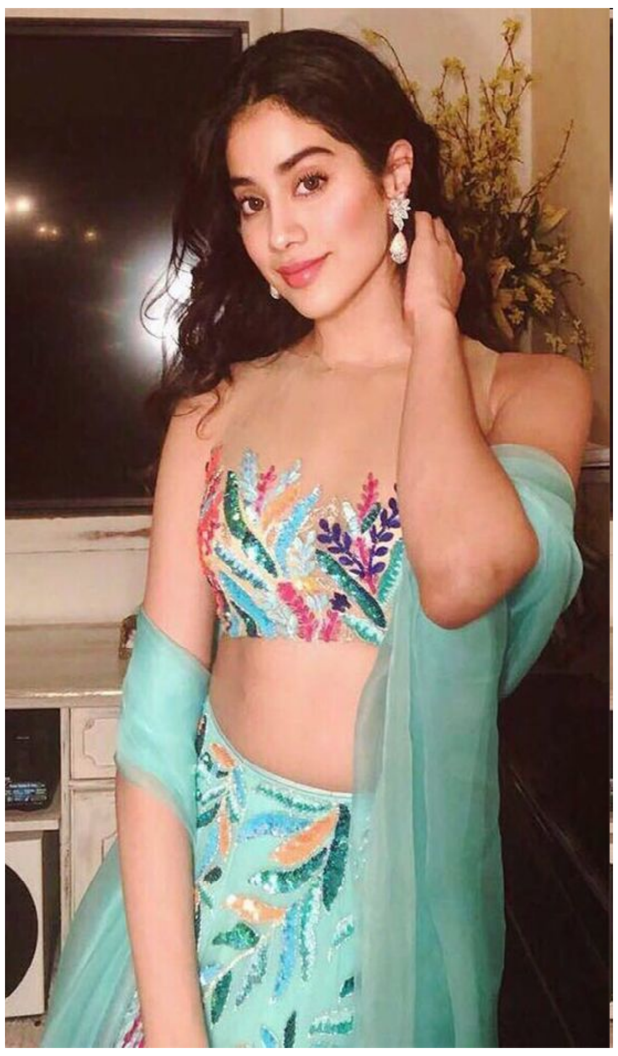

पेश की जा सकें.

फिल्म में एक दमदार टेक्निकल टीम भी शामिल है, जिसमें ए. आर. रहमान का म्यूजिक, आर. रथनावेलु की सिनेमैटोग्राफी, अविनाश कोल्ला का प्रोडक्शन डिजाइन, नवीन नूली की एडिटिंग और वी. वाई. प्रवीण कुमार का एग्जीक्यूटिव प्रोडक्शन शामिल है, जो इसके सिनेमाई स्तर और दर्शकों की उत्सुकता को और ज्यादा मजबूत बनाता है.

फूलों का झुमका, फ्लवर प्रिंट ड्रेस...और खूबसूरती का जादूय बालकनी में मोनालिसा ने दिए दिलकश पोज

अंतरा बिस्वास उर्फ मोनालिसा! भोजपुरी इंडस्ट्री का चर्चित नाम, जिन्होंने कई टीवी सीरियल में भी काम किया है। मोनालिसा अपनी एक्टिंग को लेकर जितनी चर्चा बटोरती हैं, उससे ज्यादा सुर्खियां उन्हें अपने लुक की वजह से मिलती है। सोशल मीडिया पर वे अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। आज मंगलवार को मोनालिसा ने दिलकश फोटोज साझा किए हैं।मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। इनमें वे व्हाइट कलर की वेस्टर्न ड्रेस पहनी हैं, जिस पर फ्लॉवर प्रिंट डिजाइन है।अभिनेत्री बालकनी में खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने सफेद फूलों को झुमकों की तरह कानों में अटकाया हुआ है।मोनालिसा तस्वीरों में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। 43 की उम्र में एक्ट्रेस अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वे नियमित वर्कआउट करती हैं।मोनालिसा के इस लुक पर नेटिजंस तारीफों के पुल बांध ा रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, बेहद आकर्षक। स्टाइल में आपका मुकाबला नहीं।मोनालिसा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी शादी एक्टर विक्रांत सिंह से हुई है। दोनों को बीते दिनों द 50 शो में देखा गया था। सोशल मीडिया पर मोनालिसा की अच्छी फैन फॉलोइंग है। उन्हें इंस्टाग्राम पर ही 5.8 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

बाक्स आफिस पर ब्लाकबस्टर साबित हुई सूर्या-तृषा की करुप्पु, जानें-कितना किया लाइफटाइम कलेक्शन

सूर्या और तृषा कृष्णन की करुप्पु ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है और ये अभी भी कुछ जगहों पर सिनेमाघरों में चल रही है लेकिन ये अपना थिएट्रिकल सफर लगभग खत्म कर चुकी है. वहीं ये फिल्म पिछले हफ्घ्ते ओटीटी पर भी रिलीज हो गई है. ऐसे में चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म का क्लोजिंग कलेक्शन कितना रहा है?

बता दें कि करुप्पु ने अपने पांचवें हफ्ते के चार दिनों में लगभग 1.75 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे इसकी कुल कमाई लगभग 226 करोड़ रुपये हो गई है. अनुमान है कि यह 227 करोड़ रुपये की कमाई के साथ अपना सफर पूरा करेगी. वहीं इंटरनेशनल लेवल पर इस फिल्म ने लगभग 8.50 मिलियन यूएसडी यानी 81 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे इसका दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगभग 307 करोड़ रुपये हो गया है. अनुमान है कि ये दुनियाभर में 308 करोड़ रुपये की लाइफटाइम कमाई कर सकती है. इसी के साथ सूर्या की यह फिल्म भारत में अब तक की नौवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कॉलीवुड फिल्म बन गई है जबकि दुनिया भर में यह दसवें नंबर पर है.

वहीं अपने होम टाउन तमिलनाडु में, यह 154 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच रही है, जो अब तक का सातवां सबसे बड़ा कलेक्शन है. करुप्पू ने तमिलनाडु के बाहर भी अच्छा परफॉर्म किया है. खास तौर पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इसने अच्छी कमाई की है. बता दें कि इसके तेलुगु डब वर्जन ने लगभग 35 करोड़ रुपये कमाए.

सूर्या का करियर लंबे समय से पटरी से उतरा हुआ था. ऐसे में करुप्पु एक्टर के लिए संजीवनी साबित हुई है.

सस्पेंस, कामेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर होगी प्रीतम एंड पेड्रो, राजकुमार हिरानी की नई सीरीज का टीजर रिलीज

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों अलग–अलग तरह की कहानियां दर्शकों को देखने को मिल रही हैं। अब एक नई सीरीज जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है, जिसका नाम है प्रीतम एंड पेड्रो। इस सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। खास बात यह है कि मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी का यह ओटीटी दुनिया में पहला बड़ा प्रोडक्शन है। टीजर में कॉमेडी के साथ रहस्य और कन्फ्यूजन का ऐसा मिश्रण दिखाया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत एक ऐसी दुनिया से होती है, जहां सब कुछ थोड़ा अलग और मजेदार नजर आता है। कहानी में दो ऐसे किरदार दिखाई

देते हैं जो एक–दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हालात उन्हें साथ ले आते हैं। यही वजह है कि उनके बीच कई मजेदार और उलझन भरे पल देखने को मिलते हैं। जहां एक तरफ सब कुछ सामान्य दिखता है, वहीं दूसरी तरफ अचानक होने वाली घटनाएं कहानी को रहस्यमयी बना देती हैं। यही अंदाज दर्शकों को शुरुआत से आखिर तक बांधे रखता है। इस सीरीज में अरशद वारसी और वीर हिरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।टीजर में दोनों के बीच की केमिस्ट्री काफी दिलचस्प नजर आ रही है। इसके अलावा, शो में विक्रांत मैसी भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। उनका किरदार कहानी में रहस्य और सस्पेंस को बढ़ाता नजर आ रहा है, वहीं बोमन ईरानी और मोना सिंह भी सीरीज का हिस्सा हैं। टीजर में सभी कलाकारों की झलक भले ही कम दिखाई गई हो, लेकिन हर किरदार अपने अंदर कोई न कोई राज छिपाए हुए लगता है।इस शो का निर्देशन मशहूर निर्देशक अविनाश अरुण ने किया है। राजकुमार हिरानी और अविनाश अरुण की यह जोड़ी दर्शकों के लिए कुछ नया कंटेंट लेकर आने वाली है। टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर दर्शकों के बीच शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है। लोग खास तौर पर अरशद वारसी और विक्रांत मैसी को एक साथ देखने को लेकर उत्साहित हैं। वहीं कई दर्शकों का मानना है कि राजकुमार हिरानी का नाम जुड़ने से इस सीरीज से उम्मीदें और बढ़ गई हैं। प्रीतम एंड पेड्रो 3 जुलाई 2026 को जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

हान्टेड 2 ने बाक्स आफिस पर मचाया भूचाल, कंगना रनौत-मनोज बाजपेयी की फिल्में हुई पस्त

विक्रम भट्ट की मिमोह चक्रवर्ती अभिनीत फिल्म हॉन्टेड 2 ने सिर्फ 4 दिनों में 11.55 करोड़ रुपये कमाकर सबको चौंका दिया है।कम मार्केटिंग के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सबसे आगे चल रही है। सिर्फ सोमवार को ही फिल्म ने 4,573 शोज में 2.20 करोड़ रुपये की कमई की है।दिल्ली– एनसीआर में फिल्म के सबसे ज्यादा शोज लगे थे, जबकि मुंबई और कोलकाता में भी 100 से अधिक शोज चल रहे थे।जहां हॉन्टेड 2 अपनी दमदार रफ्तार बनाए हुए है, वहीं बाकी नई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। कंगना रनौत अभिनीत यह फिल्म भी 12 जून को रिलीज हुई थी। यह 26द्11 हमलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। ओपनिंग डे पर इसने एक करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे दिन शनिवार को कमाई 1. 45 करोड़ रुपये रही थी। वहीं, रविवार का कलेक्शन 1.80 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, चौथे दिन यानी सोमवार को कमाई में भारी गिरावट दर्ज हुई। चौथे ही दिन यह लाखों में सिमट गई है। सोमवार को फिल्म ने 65 लाख रुपये कमाए थे। फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 4.90 करोड़ रुपये हुआ है। मनोज बाजपेयी की यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में सजी थी। यह 1991 के आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि पर बनी है। रविवार को इसने बॉक्स ऑफिस पर 1.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन

किया। वहीं, कल सोमवार को कमाई लाखों में सिमट गई। फिल्म ने चौथे दिन सिर्फ 50 लाख रुपये कमाए। चिन्मय मांडलेकर निर्देशित फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 3.95 करोड़ रुपये हो चुका है। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े अभिनीत फिल्म है जवानी तो इश्क होना है भी सिनेमाघरों में सजी हुई है। यह फिल्म 05 जून को रिलीज हुई थी। रविवार को बॉक्स ऑफिस पर इसने 2.90 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, कल सोमवार को भी ठीकठाक कमाई रही। कल 11वें दिन इस फिल्म ने 1.35 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 46.15 करोड़ रुपये हो गया है।

खत्म हुआ इंतजार, आ गई दृश्यम 3 की ओटीटी रिलीज डेट, उठने वाला है सस्पेंस से पर्दा

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3, 21 मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सस्पेंस थ्रिलर फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से तो अच्छा रिस्पांस तो मिला ही था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर हिंदी में रिलीज हुए बिना ही इस फिल्म ने रिकॉर्ड कायम किया।

ये जानकारी तो हमने आपके साथ पहले ही शेयर कर दी थी कि जीतू जोसेफ के निर्देशन में बनी दृश्यम 3 जून में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे देगी। अब सस्पेंस थ्रिलर फिल्म की ओटीटी पर रिलीज की तारीख भी तय हो चुकी है। मलयालम भाषा में बनी मोहनलाल की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट पर से प्राइम वीडियो ने पर्दा उठा दिया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक दृश्यम 3 की ऑफिशियल रिलीज डेट की घोषणा करते हुए यह बता दिया है कि मूवी 18 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दी जाएगी। सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन करने वाली दृश्यम 3 ग्लोबल लेवल पर 200 से ज्यादा देशो में ऑडियंस के लिए स्ट्रीम किया जाएगा। दर्शक इस फिल्म का मलयालम के अलावा तेलुगु, तमिल और कन्नड़ वर्जन भी देख पाएंगे। हालांकि, हिंदी भाषा में यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है। वजह ये है कि दृश्यम 3 के हिंदी राइट्स अजय देवगन के पास हैं, जो 2 अक्टूबर 2026 को मूवी सिनेमाघरों में रिलीज करने वाले हैं। दृश्यम 3 के कलेक्शन की बात करें तो, इस फिल्म ने 23 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 108. 23 करोड़ की कमाई की है। वर्ल्डवाइड भी दर्शकों का दृश्यम 3 को बहुत प्यार मिला है और फिल्म का बिजनेस ओवरऑल 237. 25 करोड़ पहुंच चुका है। जॉर्जकुटी इस बार खुद को और परिवार को कैसे पुलिस से बचाता है, यह देखना बहुत ही दिलचस्प होगा।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।